रांची, सोमवार, 30 जून 2025

संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल पांच मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 296, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर ◂◂ 6

लोहरदगा में दर्दनाक सड़क हादसा

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार बुजुर्ग को रौंदा, मौत

संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा-गुमला मुख्य मार्ग पर लोहरदगा शहरी क्षेत्र के मुख्य चौराहा पावरगंज के पास मालवाहक ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी चंदन भारती की मौत घटनास्थल पर हो गई। इस दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई कर रही है।

मृतक की पहचान शहर के संजय गांधी पथ निवासी तेसर केंद्र से सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी (वर्तमान में गिरवर शिशु सदन विद्यालय के संचालक) रामवल्लव भारती के पुत्र चंदन भारती के रूप में हुई। बताया जाता है कि सोमवार सुबह चंदन भारती सब्जी लेने मोटरसाइकिल से बाजार जा रहे थे। इसी क्रम में लोहरदगा के रास्ते घाघरा की ओर जा रही मालवाहक ट्रक संख्या जेएच19ए8439 ने मोटरसाइकिल संख्या जेएच08ई-5693 में सवार चंदन भारती नामक व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

भारतीय नौसेना ने मौत के मुंह से निकाले 14 नाविक

नई दिल्ली : ओमान की खाड़ी में मिशन पर तैनात भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर ने बहादुरी का परिचय देते हुए एक संकटग्रस्त जहाज के चालक दल को बचाया। भारतीय नौसेना को एमटी यी चेंग 6 नामक जहाज से संकट की सूचना मिली, जिसके बाद युद्धपोत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, पुलाऊ का ध्वज लगा हुआ एमटी यी चेंग 6 गुजरात के कांडला से ओमान के शिनस जा रहा था। रविवार को जहाज ने इंजन रूम में आग लगने और बिजली गुल होने की सूचना दी। जहाज पर सवार 14 भारतीय चालक दल के सदस्यों की जान खतरे में थी।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने ट्वीट कर इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओमान की खाड़ी में तैनात स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने 29 जून को एमटी यी चेंग 6 से संकट कॉल का जवाब दिया। जहाज पर भारतीय मूल के 14 चालक दल के सदस्य थे। आग लगने के बाद जहाज पर बिजली पूरी तरह से गुल हो गई आईएनएस तबर से तत्काल अग्निशमन दल और आवश्यक उपकरणों को जहाज की नाव और हेलीकॉप्टर की मदद से एमटी यी चेंग 6 पर पहुंचाया गया। वर्तमान में आईएनएस तबर के 13 नौसैनिक और एमटी यी चेंग 6 के 5 चालक दल के सदस्य आग बुझाने के काम में जुटे हुए हैं, जिससे जहाज पर लगी आग की तीव्रता में काफी कमी आई है।

हैदराबाद की दवा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 10 मजदूरों की मौत, मलबे में जिंदगी की तलाश जारी

हैदराबाद : हैदराबाद के पाशमैलारम में स्थित एक औद्योगिक इकाई में भीषण विस्फोट हुआ है, जिसमें दस मजदूरों के मारे जाने की खबर है और 20 अन्य घायल हो गए हैं। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे सांगारेड्डी जिले के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में हुआ।

इस विस्फोट के कारण सिगाची केमिकल्स परिसर में भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं, जो केमिकल फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस, दमकल सेवाओं और अन्य कर्मचारियों ने बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया। घायलों को अस्पतालों में ले जाने के लिए एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं।

घायलों को सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दस मजदूरों के घटनास्थल पर मारे जाने की खबर है, जबकि एक घायल मजदूर की अस्पताल में मौत हो गई है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक मौतों की पुष्टि नहीं की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना जोरदार था कि मजदूर हवा में उछलकर कई मीटर दूर जा गिरे। कारखाने की इकाई विस्फोट के प्रभाव से ढह गई और आग पास की इमारत तक फैल गई। विस्फोट के समय कई मजदूर रिएक्टर के पास काम कर रहे थे। कारखाने में ओडिशा, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रवासी मजदूर काम करते थे।

इस विस्फोट और आग से रासायनिक इकाई और आसपास के कारखानों में कर्मचारियों में दहशत फैल गई, जिसके बाद वे परिसर से बाहर भाग गए। इस बीच, बचावकर्मी मलबे को हटाने के लिए अर्थमूवर का इस्तेमाल कर रहे हैं। आशंका है कि कुछ मजदूर मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। सांगारेड्डी जिला कलेक्टर पी. प्रवीण्या और पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज भी मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारी और विभिन्न विभागों का स्टाफ भी बचाव कार्य में शामिल हुआ। अभियान जारी रहने के कारण अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

मां विपत्तारिणी की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

खलारी: प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महावीरनगर स्थित रविवार को कालीबाड़ी में श्री श्री विपत्तारिणी पूजा समिति के द्वारा किए जा रहे दो दिवसीय मां विपत्तारिणी पूजा के अंतिम दिन में मां का पूजन आरती किया गया। वहीं हवन कर खीर तथा खीचड़ी का महाभोग लगाया गया इसके बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। खलारी कोयलांचल पिपरवार से सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पूजन में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया । इसके बाद मां विपत्ततारिणी की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराते हुए स्थानीय तालाब में विसर्जन कर दिया गया। विसर्जन में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे । नवकुमार बनर्जी, डॉ. एसके घोषाल एवं आचार्य विश्वजीत घोषाल के द्वारा पुजन कराया गया। इस मौके पर मुख्य रूप मे समिति के संयोजक डॉ।चन्द्रशेखर रत्रा, अध्यक्ष नवकुमार बनर्जी, सचिव समर कुमार सेन, उपाध्यक्ष सुमित कुमार सिंह, अनुराग सिंह, सहसचिव रोहित नायक, महादेव घोषाल, मलय मुखर्जी, डॉ एस के घोषाल, आचार्यविश्वजीत घोषाल, सुप्रिया घोषाल, रामसूरत यादव, उमेश कुमार, संजय गुप्ता, सुमंतो कुमार, प्रदीप लोहरा, चंदन गुप्ता, जयपाल लोहार सहित कार्यसमिति सदस्य एवं काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खूंटी जिला युवा कांग्रेस ने शुरू की चुनाव प्रक्रिया, नामांकन 4 जुलाई तक

खूंटीः जिला अध्यक्ष अरुण संगा की अध्यक्षता में आज युवा कांग्रेस के खूंटी परिषदन ने आगामी चुनावों को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान युवा कांग्रेस के जोनल निर्वाचन पदाधिकारी सीमांचल खंडैया ने चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन 28 जून से 4 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्रा ने अपने संबोधन में युवाओं की समस्याओं पर चर्चा करते हुए पूछा, क्या युवा कांग्रेस युवाओं के मुद्दों का समाधान कर पाएगी? उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष अरुण संगा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, युवा ही देश की प्रगति का आधार हैं। आप सभी को आगे आकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए। वहीं, डीआरओ पुष्कर सिंह ने युवा साथियों से चुनाव में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर 20 सूत्री सदस्य सोहेल, जिला उपाध्यक्ष शीबलु, जिला महासचिव सुमन, प्रखंड अध्यक्ष अनमोल, आशुतोष, सुमित, आमिरख, जय सहित सैकड़ों युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उरैली पंचायत में आयुष्मान कार्ड को लेकर लगा विशेष शिविर

चतराः आयुष्मान कार्ड बनवाने को लेकर रविवार को उरैली पंचायत सचिवालय में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन सीओ अरुण कुमार मुंडा,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा वेद प्रकाश, एमओ अर्जुन प्रसाद,मुखिया संजय कुमार सिंह एवं पंचायत समिति सदस्य रिता देवी,उप मुखिया विवेक कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं पौधारोपण कर किया गया । शिविर मे आयुष्मान कार्ड को लेकर पंचायत के सैकड़ो महिला एवं पुरुष शामिल हुए। मौके पर दो सौ लोगों का आयुष्मान कार्ड एवं एक सौ लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। इस शिविर में उप मुखिया पिंटू कुमार , डीलर संतोष सिंह,मुरारी यादव ,अनुज पासवान ,रौशन सिंह, उपेंद्र यादव ,वार्ड सदस्य , आंगनवाड़ी सेविका,पंचायत सचिव पिंकी कुमारी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

घर के बाहर से ई रिक्शा चुरा कर ले गए चोर

रांची : रांची के कोकर बाजार के रहने वाले दीपक कुमार का ई रिक्शा चोरी कर ली गई है। घटना शुक्रवार की है। इस संबंध में दीपक कुमार ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दीपक ने पुलिस को बताया कि वह रात नौ बजे ई रिक्शा अपने घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह जब वह उठे और घर से बाहर निकले तो देखा कि ई रिक्शा गायब है। खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में जुट गई है।

दो हजार भक्तों ने पाया अन्नपूर्णा प्रसाद

रांची : श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 214वें अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से किया गया था। इसमे दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें केसरिया खीर और आलू चिप्स का पैकेट शामिल था। ट्रस्ट के भजन गायकों ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराया। कार्यक्रम में डुंगरमल अग्रवाल, संजय सर्राफ, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज कुमार चौधरी और अन्य उपस्थित ते। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे, जिनमें से चार हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन किए।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, अलर्ट मोड पर जिला प्रशासन

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में छह जुलाई को मुहर्रम मनाने की सूचना है। इसी दिन घुरती रथ का भी आयोजन है। ऐसे में किसी भी तरह की विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए जिला प्रशासन तैयारी कर रहा है। इसे लेकर सभी जिलों के एसपी को अलर्ट कर दिया गया है। मुहर्रम के जुलूस का रूट और समय भी तय है। इसे लेकर शनिवार को रांची के विभिन्न थानों में शांति समिति की बैठक हुई।

अफवाहों से दूर रहने की सलाहः मुहर्रम को लेकर रविवार को कोतवाली थाना में शांति समिति की बैठक हुई। मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि पर्व-त्योहारों में अफवाहों से दूर रहें और भाईचारे के साथ त्योहार मनायें। मुहर्रम के मौके पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी।

त्योहार में खलल डालने पर होगी कार्रवाई : डीएसपी

इस दौरान डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि यदि कोई असामाजिक तत्व त्योहार में खलल डालने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में हाईकोर्ट और जिला प्रशासन के निर्देश का अनुपालन करने, जुलूस का रूट और समय का ध्यान रखने आदि संबंधित निर्देश दिये गये। बैठक में कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो मौजूद रहे।

मुहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णयः इधर, डेली मार्केट थाना में भी शनिवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसमें लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम मनाने का निर्णय लिया। मौके पर थाना प्रभारी जयप्रकाश राणा ने कहा कि रांची में हमेशा सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ सभी त्योहारों को मनाते हैं। उसे बरकरार रखने की जरूरत है।

बैठक में ये रहे मौजूदः इस बैठक में सब इंस्पेक्टर परवीन कुमार, राजीव रंजन मिश्रा, अकीलुर्रहमान, मो इस्लाम, सागर वर्मा, मो आफताब आलम, महबूब रिजवी, आदिल जहीर, जितेंद्र गुप्ता, मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी, मो जमील, मो सज्जाद, अभिनव आनंद, सन्नी, मो अब्दुल्लाह, जसीम हसन, अली रजा, मो शकील, मो नवाब व अन्य मौजूद रहे।

60 लाख के ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

संवाददाता

चतराः प्रतिबंधित ब्राउन शुगर तस्करों के विरुद्ध चतरा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। 60 लाख रुपए के अवैध ब्राउन शुगर के खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से 286 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्करी में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक माप तोल मशीन व विभिन्न कंपनियों का पांच मोबाइल फोन जप्त किया है। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में गठित गिद्धौर थाना पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के फुटबॉल मैदान के समीप से अभियान चलाकर दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस दौरान गिरोह का मास्टरमाइंड पुलिस को चकमा देकर मौके से भागने में सफल रहा। जिसकी गिरफ्तारी को ले विशेष छापमारी अभियान पुलिस चला रही है।समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ड्रग पेडलरों के द्वारा बड़े पैमाने पर अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी की जा रही है। गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में गिद्धौर थाना प्रभारी कुमार गौतम व सशस्त्र बल के जवानों की टीम बनाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था। अभियान के दौरान ही टीम ने थाना क्षेत्र अंतर्गत फुटबॉल मैदान के पास से गिद्धौर तेली टोला निवासी अभिमन्यु कुमार साव और प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगियारा के नौकाडीह गांव निवासी नितेश कुमार उर्फ त्रिवेणी उर्फ वेणी को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि पुलिसिया अभियान के दौरान गिरोह का मास्टरमाइंड मौके से भागने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि फरार तस्कर की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर सभी संभावित ठिकानों पर टीम लगातार दबीस दे रही है। एसपी ने बताया कि अफीम तस्करी सिंडिकेट से जुड़े माफिया को चिन्हित कर लिया गया है। इस ग्रुप में शामिल बड़े माफिया दूसरे शहरों से अफीम और ब्राउन शुगर लाकर चतरा में तस्करों के बीच सप्लाई करते हैं। ऐसे माफियाओं को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की तैयारी है। उन्होंने बताया कि माफियाओं के तस्करी से अर्जित संपत्ति को पुलिस जप्त करने की तैयारी में है।

हंटरगंज थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज थाना परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सीओ अरूण कुमार मुंडा व संचालन थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने किया। बैठक में क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, ताजिया रखने वाले व्यक्ति और जुलूस आयोजक मौजूद रहे। थाना प्रभारी ने सभी जुलूसों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से निकालने पर जोर दिया। प्रभारी ने आयोजकों से बेहतर समन्वय बनाए रखने की अपील की। साथ ही अफवाहों और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए सतर्क रहने को कहा। आगे कहा गया कि त्योहार के दौरान आराजकता फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी इस दौरान सभी समुदाय के लोगों को आपसी भाईचारे के बीच मुहर्रम मनाने का निर्णय लिया गया। थाना प्रभारी ने कहा यदि किसी भी प्रकार के गड़बड़ी होती है तो इसकी सूचना प्रशासन को उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मौके पर पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा, एसआई रंजीत सिंह, दिलीप यादव, संजय सिंह, केदलीकला पंचायत मुखिया अशोक यादव, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह, तरवागडा पंचायत मुखिया प्रतिनिधी दिलीप कुमार दास, नवाडीह पंचायत मुखिया वसंती पन्ना,खुटिकेवाल खुर्द मुखिया बृजकिशोर सिंह, औरंगजेब खान, पप्पू अहमद, इलियास खान, अताउल्ला, समीम मियां, सरफू मियां, हलीम खान, मुन्ना यादव समेत कई जनप्रतिनिधि व स्थानीय समाजसेवी भी उपस्थित थे।

कबरा पंचायत के मुखिया निलेश ज्ञासेन बने झामुमो के जिलाध्यक्ष

चतराः जिले क टंडवा प्रखंड क्षेत्र के कबरा पंचायत के मुखिया के रूप में पंचायत का प्रतिनिधित्व कर रहे वृंदा गांव निवासी निलेश ज्ञासेन को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। रविवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय ने अधिसूचना जारी कर निलेश ज्ञासेन को जिला अध्यक्ष के तौर पर मनोनीत करते हुए जिले में संगठन के प्रतिनिधित्व और संचालन का बागडोर सौंपा है। उनके साथ जिला उपाध्यक्ष के तौर पर अमरदीप प्रसाद, असलम अंसारी एवं पूरन राम को मनोनीत किया गया है। वहीं सचिव के पद पर चंद्र देव साहू एवं कोषाध्यक्ष के पद पर नितेश कुमार राणा को मनोनीत किया गया है। निलेश के जिला अध्यक्ष बनने पर न सिर्फ पंचायत बल्कि पूरे जिले भर से झामुमो और महागठबंधन के कार्यकताओं ने बधाई दिया है। लोगों ने बधाई देते हुए कहा कि एक मुखिया के तौर पर पंचायत के बेहतर प्रतिनिधित्व और संगठन के प्रति सच्ची लगन का परिणाम है कि कम समय में झामुमो ने निलेश पर विश्वास जताते हुए जिले में संगठन के प्रतिनिधित्व का मौका दिया है। बताते चलें कि कबरा मुखिया निलेश ज्ञासेन ने एक वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों एवं पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ली थी। जिसके महज एक वर्ष बाद ही पार्टी ने उन्हें जिले में प्रतिनिधित्व का मौका दिया है।

हूल दिवस पर भोगनाडीह में संताल और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

संवाददाता

साहिबगंज : भोगनाडीह में हूल दिवस को लेकर चला आ रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया है। भोगनाडीह में तीर-धनुष चलने के बाद विवाद और बढ़ गया। पुलिस और संताल आदिवासियों के बीच झड़प से तनाव की स्थित उत्पन्न हो गई। सिद्धो कान्हू पार्क में मंडल मुर्मू के संगठन द्वारा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम से पहले सिद्धो कान्हू मुर्मू के वंशज मंडल मुर्मू समेत कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार, कार्यक्रम का पंडाल रात में प्रशासन द्वारा खोल दिये जाने से स्थिति बिगड़ी और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और पूर्व विधायक सीता सोरेन को शामिल होना है।

प्रशासन द्वारा मंडल मुर्मू और अन्य को हिरासत में लिये जाने के बाद हंगामा शुरू हो गया। ग्रामीणों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ गए। इस झड़प में कुछ पुलिसकर्मी और ग्रामीण के घायल होने की सूचना है। घायलों को बरहेट पीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ग्रामीणों को खदेड़ दिया और सिद्धो कान्हू पार्क में ग्रामीणों द्वारा लगाये गए ताले को तोड़ दिया। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई।

मरकज-ए-अदब-व-साइंस का 21 वां दीक्षांत समारोह, 130 छात्रों को दी गई उपाधि

संवाददाता

रांचीः आज मरकज -ए- अदब- व-साईंस का 21वां दीक्षांत समारोह पार्क स्कवायर बिल्डिंग प्लाजा चौक के सभागार में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि जेके शाह साइंटिस्ट डी नाईलिट राँची, डा लेफ्टीनेंट कर्नल गुफरान दानिश (मेडिकल ऑफिसर राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान), भारत सरकार, भारतिय शिक्षण संस्थान के प्रोग्राम ऑफिसर सुदिप्ता सरकार मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह का संचालन एसआईआईटी के केंद्र प्रबंधक मो यूसुफ अंसारी ने किया। प्रोग्राम की अध्यक्षता ट्रस्ट के सचिव डा तारिक सज्जाद ने की। और धन्यवाद प्रस्ताव ट्रस्ट के चेयरपरसन डा रुबिना नासरिन ने की। इस अवस्सर पर मुख्य अतिथी जेके साह ने अपने संबोधन में नाइलीट के कोर्सेस और रोजगार के अवसर पर छात्र छात्राओं से चर्चा की। डा लेफ्टीनेंट कर्नल गुफरान दानिश ने भी छात्र-छात्रोओं को बधाई देते हुए उन्हें बेहतर भविष्य की कामना की। ट्रस्ट की सेकरेटेरी रिपोर्ट डा तारिक सज्जाद ने पेश की। मरकज-ए-अदब-व-साईस, बरियातू और एसआईआईटी, सेन्टर प्लाजा चौक राँची में संचालित एक वर्षीय कम्प्यूटर कोर्स काबा-एमडीटीपी जो नेशनल कॉन्सिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज (एनसीपीयूएल) शिक्षामंत्रालय, भारत सरकार व नेशन इंस्टीट्यूड ऑफ इलेट्रॉनिक्स (एनआईएलआईटी) मिनिस्ट्री ऑफ आईटी भारत सरकार द्वारा संचालित कोर्स हैं। बरियातू एवं प्लाजा चौक स्थित दोनों केन्द्रों के कुल 130 छात्रों उपेधी दि गयी जिन में से 18 छात्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। प्रथम पुरस्कार सबा रानी, राफीया अहमद, मो० इलियास, ताहिरा फातमा, नेहा प्रवीन एंव आलिया यासीन। द्वितीय पुरस्कार पाने वालों में मो० साहील अंसारी, छाया एकका, तैयाबा परविन, मो आदिल हुसैन, मो जैद अंसारी एंव मुस्कान प्रवीन। तृतीय पुरस्कार पाने वालों में सना आफरीन, निधी सोरेंग, सामिया शोएब, बुश्रा गौहर, अलीशा प्रवीन एंव आफताब खान। इस प्रोग्राम की संचालन में खाास तौर से दोनों केंद्रो के शिक्षक व स्टाफ मौजुद थे जिन में अब्दुर्रहमान, फेकल्टी रखशिंदा, गुलनाज, इमरान खान, मो इरशाद, कैसर मंसूर व अन्य मौजदू थे।

जंगली हाथियों ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला

संवाददाता

रांची / गढ़वा: जिला में एक बार फिर जंगली हाथियों के झुंड ने आतंक मचाया है। इस झुंड ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला है। इस घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं ग्रामीणों का वन विभाग के प्रति काफी आक्रोश देखा जा रहा है। मृतकों के शव को लेने के लिए पुलिस और वन विभाग को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा।

चिनियां थाना क्षेत्र के चिरका गांव में रविवार रात एक बार फिर जंगली हाथियों का कहर गांव पर टूटा। देर रात हाथियों ने दो ग्रामीणों को बेरहमी से कुचलकर मार डाला है। मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (उम्र 40 वर्ष) और सुधीर सोरेंग (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रमिला देवी घर से कुछ ही दूरी पर अपने प्रवासी पति से मोबाइल पर बात कर रही थीं तभी अचानक एक जंगली हाथी वहां आ धमका। प्रमिला देवी जान बचाकर भागने की कोशिश की लेकिन हाथी ने लपककर उसे कुचल दिया। जहां उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, पास के ही घर में सो रहे सुधीर सोरेंग को जब लगा कि कोई उसके कटहल के पेड़ को नुकसान पहुंचा रहा है। वह बाहर निकले, जहां हाथी ने उस पर भी हमला कर दिया और कुचलकर मार डाला। इस भयावह घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है।

सुबह होते ही आक्रोशित ग्रामीण शवों के पास जुट गए और वन विभाग की घोर लापरवाही के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। सुबह 9 बजे तक भी वन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे आक्रोश और भी भड़क उठा। ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक वरीय वन अधिकारी मौके पर नहीं आते, तब तक शवों को उठाने नहीं देंगे।

हालांकि चिनियां थाना प्रभारी अमित कुमार अहले सुबह ही अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच चुके थे व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। इस घटना को लेकर रेंजर गोपाल चंद्रा ने कहा कि यह जानवर छत्तीसगढ़ से आया है इसी के द्वारा क्षति पहुंचाई गई है। वरीय पदाधिकारी को हमलोग लिखें है बहुत जल्द विभाग के आदेश के बाद मुआवजा की प्रक्रिया की जाएगी।

ब्रांबे के जर्जर मकानों में रहने वाले दो सौ से अधिक परिवारों को रांची नगर निगम देगा आशियाना

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के ब्रांबे इलाके में जर्जर मकानों में वर्षों से रह रहे लोगों के लिए अब राहत की उम्मीद जगी है। रांची नगर निगम ने इन मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए वैकल्पिक और स्थायी आवास की योजना पर काम शुरू कर दिया है। नगर निगम की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 200 से अधिक परिवारों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें इस योजना का लाभ दिया जाएगा।

जर्जर भवनों को खाली करने का नोटिस दे चुका है निगमः जर्जर भवनों की स्थिति और लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने मिलकर यह फैसला लिया है। कुछ दिन पहले ही नगर निगम ने ब्रांबे क्षेत्र के कई मकानों पर नोटिस चस्पा कर वहां रह रहे लोगों को मकान खाली करने का निर्देश जारी किया था। मकानों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसे में नगर निगम ने तत्काल कदम उठाने का निर्णय लिया है।

हालांकि, स्थानीय लोगों ने मकान खाली करने का विरोध किया है। उनका कहना है कि वे कहीं और शिफ्ट नहीं होना चाहते, क्योंकि यही उनका वर्षों पुराना ठिकाना है और यहां से उनकी सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जड़ें जुड़ी हैं। विरोध को देखते हुए नगर निगम ने फिलहाल एहतियातन मकानों की निगरानी शुरू कर दी है। निगम की टीम लगातार क्षेत्र में नजर बनाए हुए है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था पहले की जाएगी। इसके बाद स्थायी रूप से उनके लिए नए मकान बनाए जाएंगे। इन मकानों में सभी जरूरी सुविधाएं, जैसे सीवरेज, ड्रेनेज और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लोग सुरक्षित और बेहतर जीवन जी सके। निगम के जनसंपर्क पदाधिकारी ने दी जानकारीः नगर निगम के जनसंपर्क पदाधिकारी गौतम कुमार साहू ने कहा कि ब्रांबे के इन परिवारों के लिए निगम गंभीरता से कार्य कर रहा है। मकान निर्माण की दिशा में योजना तैयार की जा चुकी है। मकान भले कुछ समय बाद बने, लेकिन फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लोगों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है।

डीआईजी ने जनसुरक्षा के लिए जारी किया सख्त निर्देश

विनय मिश्रा

मेदिनीनगर: आम जनजीवन की सुरक्षा और शांति बनाए रखने की दिशा में एक ठोस पहल करते हुए पलामू रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) ने शनिवार को सभी थाना क्षेत्रों को सख्त, लेकिन जनहितकारी निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक थाना प्रभारी अपने क्षेत्र के बीट, वार्ड या मोहल्लों के लिए जिम्मेदार पुलिस पदाधिकारियों की स्पष्ट रूप से नियुक्ति करें। इन बीट प्रभारियों को उनके क्षेत्रों की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः उत्तरदायी बनाया गया है,डीआईजी द्वारा जारी आदेश संख्या 1171 में विशेष रूप से निर्देश दिया गया है कि जो परिवार किसी कारणवश अपने घर को बंद कर लंबे समय के लिए बाहर हैं, उनके घरों पर बीट अधिकारी विशेष निगरानी रखें। यह कदम खासकर त्योहारों, विवाह या कामकाज के लिए बाहर गए लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से बेहद जरूरी बताया गया है। बीट प्रभारी ऐसे घरों की सूची तैयार कर नियमित निरीक्षण करेंगे, ताकि किसी भी संभावित अपराध की रोकथाम समय रहते की जा सके,डीआईजी ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित अंचल निरीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अपने अधीनस्थ थाना क्षेत्रों में बीट प्रभारियों की कार्यशैली, गश्ती व्यवस्था, पिकेट ड्यूटी और आमजन के साथ संवाद व्यवस्था का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण करेंगे। किसी भी स्तर पर लापरवाही, असंवेदनशीलता या अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी,प्रत्येक बीट प्रभारी को अपने क्षेत्रों में घट रही हर संदिग्ध गतिविधि, सामाजिक तनाव या आपराधिक संकेत की जानकारी त्वरित रूप से थाना प्रभारी को देनी होगी। थाना प्रभारी इन सूचनाओं का विश्लेषण कर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट देंगे और उनके मार्गदर्शन में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। यह प्रक्रिया न केवल घटनाओं की रोकथाम बल्कि आम नागरिकों के विश्वास को सशक्त बनाने का आधार बनेगी,यदि कोई बीट प्रभारी अवकाश पर जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी योग्य एवं सतर्क अधिकारी को सौंपी जाएगी ताकि उस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था किसी भी तरह से प्रभावित न हो,डीआईजी ने आदेश में यह भी उल्लेख किया है कि जो पुलिस पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता से करते हैं, उन्हें प्रशंसा पत्र या अन्य माध्यमों से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, लापरवाही बरतने वालों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी वे स्वयं वहन करेंगे।

हूल दिवस पर निपु सिंह ने क्रांतिकारी योद्धा सिदो कान्हू को किया नमन

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड अगेंस्ट करप्शन के केंद्रीय संगठन मंत्री सह राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने हूल दिवस के मौके पर मोराबादी स्थित सिदो कान्हू पार्क में झारखंड के क्रांतिवीर सिदो, कान्हू, भैरव और चांद को याद किया ।

इस मौके पर सिंह ने सिदो कान्हू के प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उनको नमन किया और कहा कि 30 जून 1855 ई को आदिवासियों के नायक सिदो कान्हू के नेतृत्व में साहेबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ और उस दिन आजादी की पहली लड़ाई लड़ी गई थी उस लड़ाई का नेतृत्व सिदो कान्हू ने किया और उस विद्रोह में करीब पचास हजार लोग एकजुट हुए थे और उसमें करीब बीस हजार लोगों ने अपनी कुबार्नी दी थी उस विद्रोह में करो या मरो, अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो के नारे के साथ आदिवासी समुदायों ने प्रदर्शन किया और अंग्रेजों को संकेत दिया कि अब तुमको भारत छोड़ना होगा ।

श्री साहित्य कुंज की मासिक गोष्ठी

लोकार्पण सह सम्मान समारोह में पावस-कविताओं की फुहारें

मेट्रो रेज

रांची: श्री साहित्य कुंज की मासिक गोष्ठी में विश्ववाणी संस्थान अभियान (जबलपुर) के साझा बहुभाषीय-संग्रह चंद्र विजय अभियान का लोकार्पण राँची स्थित सर्जनी अपार्टमेंट में वरिष्ठ साहित्यकार निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव के कर कमलों से हुआ। भारत की बावन भाषा /बोलियों में संग्रहित इस काव्य संकलन की संकल्पना के जनक व संपादक आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल' है। इस संग्रह में संकलित चाँद के वैज्ञानिक व आध्यात्मिक महत्व की कविताओं का साहित्यिक विश्लेषण करते हुए आयोजन की अध्यक्षता कर रहें निरंजन प्रसाद ने रामधारी सिंह दिनकर की रचना चाँद का कुर्ता और माधव मुक्तिबोध की कविता चाँद का मुँह टेढ़ा पढ़कर साहित्यिक विचार मंथन को सभी के समक्ष रखा। आयोजन में मुख्य अतिथि उर्मिला सिन्हा ने इस संग्रह को बड़ी उपलब्धि बताते हुए। सभी सम्मिलित रचनाकारों को बधाई दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि गीता चौबे 'गूँज' जो बेंगलुरु से रांची आई हुई हैं, उन्होंने विश्ववाणी संस्थान अभियान के विषय में सभी को अवगत कराया और उसकी उपलब्धियों को सभी के समक्ष रखा। विशिष्ट अतिथि के रूप में रूणा रश्मि ने चंद्र विजय अभियान को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल' के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर संग्रह के रचनाकारों में मनीषा सहाय /हिमकर श्याम/गीता चौबे गूँज/पुष्पा पांडेय/नीता शेखर/निर्मला कर्णा/सिम्मी नाथ को सम्मान पत्र पुस्तक व दुपट्टा से सम्मानित भी किया गया। आयोजन का संचालन भावना अम्बष्ठा व बिंदु प्रसाद ने किया व सरस्वती वंदना मधुमिता साहा ने की। धन्यवाद ज्ञापन नीता शेखर ने किया। भीगे-भीगे मौसम में सभी ने काव्य की सुगंधित रस धारा का प्रवाह भी किया । किसी ने बूँदो के सफर को सजाया तो किसी ने भोले बाबा को याद किया।

केंद्र सरकार जल्द से जल्द करे क्षत्रिय आयोग का गठन: महेंद्र सिंह तंवर

मेट्रो रेज

रांची: आज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की पुनर्गठन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष बिनय सिंह बिनु की अध्यक्षता में दलादली चौक स्थित फोकस रेस्टॉरेंट एवं रिसोर्ट में किया गया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर की गरिमामय उपस्थिति में संगठन का पुनर्गठन करते हुए सर्वसम्मति से बिनय सिंह बिनु को पुनः एक बार फिर से अध्यक्ष के पद लिए चयन किया गया। महासचिव के रूप में सूरजदेव सिंह,उपाध्यक्ष पृथ्वी नाथ शाहदेव,विकास नाथ शाहदेव,सुधीर प्रसाद सिंह,अरुण सिंह,श्रीधर सिंह,राजीव रंजन सिंह,सचिव के रूप में रंजीत बहादुर सिंह,एन के सिंह,अंजनी सिंह,राणा ऋषि सिंह, सूरज शाहदेव एवम राव सम्राट को प्रवक्ता के रूप में चयन किया गया। कोषाध्यक्ष मनोज सिंह को बनाया गया। महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा के रूप में मनीषा सिंह,उपाध्यक्षा, रीना सिंह,सचिव सुमन सिंह, नीतू सिंह,प्रेरणा सिंह,का चयन किया गया। वही युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में आदर्श कुमार सिंह चयन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में उदित राज एवं प्रदेश महासचिव युवा मोर्चा के रूप में यश सिंह परमार का चयन किया गया। चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में डॉ आशुतोष कुमार सिंह का चयन किया गया।

सभा को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह तंवर ने झारखंड की पवित्र एवं वीरों की भूमि को नमन करते हुए कहा कि आज देश जिस माहौल से गुजर रहा है ऐसी स्थिति में क्षत्रिय समाज की जिम्मेदारी बनती है हम सब सँगठित होकर देश को मजबूत बनाएं और आने वाले समय मे जिस प्रकार से हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान दिया है इस देश की रक्षा करने में उसी भूमिका को फिर से एक बार इस समाज को निभाने की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि समाज की एकता का ही नतीजा है कि जब हम क्षत्रिय समाज को एक करने के लिए तथा इस समाज को भी आरक्षण देने की मांग करते हुए 3 लाख किमी की पैदल यात्रा किये। तभी जाकर देश की केंद्र सरकार में सवर्ण वर्ग को दस प्रतिशत का आरक्षण दी। क्षत्रिय समाज की एकता का ही नतीजा है कि आज हिंदी फिल्मों में राजपूत समाज की छवि को धूमिल करने वाली झूठी कहानी वाली मुभी अब नही बनाई जाती है। आज किसी की मजाल नहीं है की राजपूत समाज के खिलाफ कुछ गलत कार्य करे। जब हम एक रहेंगे तभी जाकर सरकार भी हमारी बात सुनती है।

उन्होंने कहा कि हमारी संगठन किसी भी राजनीतिक दल का न तो समर्थन करती है और न ही विरोध। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा समाज के जो भी उम्मीदवार खड़े हो उसे जिताने का काम करें। आज समय की मांग है हम राजनीतिक रूप से जागरूक हों।

श्री तंवर ने संगठन की आजादी से पहले से लेकर अबतक की इतिहास और संगठन के द्वारा देश भर में की गए कार्यों की जानकारी दी। सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करते हुए सरकार से मांग की गयी कि केंद्र सरकार राजपूत कल्याण बोर्ड का गठन करे, क्षत्रिय आयोग बनाया जाए,क्षत्रिय महापुरुषों की इतिहास के साथ कोई छेड़छाड़ न किया जाए। महासभा के प्रदेश संरक्षक कमलेश सिंह ने समाज के दूर दराज से आये सभी सदस्यों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज समाज का हर सदस्य समाज को और संगठन को मजबूत करने के लिए अपना योगदान देने के लिए तैयार है,यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को पूरे राज्य में मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज समाज की महिलाएं भी समाज की बैठकों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती है यह एक नया संचार है हमारे समाज के लिए। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज वह छाता है जो हर गरीब,शोषित को सुरक्षा देता है।

सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एपी सिंह ने कहा कि संगठन के नवनियुक्त तथा निवर्तमान पदाधिकारियों को मिलकर समाज के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा देश की सबसे पुरानी महासभा है। राजपूत शोषक नही रक्षक होता है, राजपूत संरक्षक होता है।

उन्होंने क्षत्रिय महासभा को संगठन को पूरे झारखंड में मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने अपने समाज मे किसी प्रकार की भेदभाव नहीं रखने की बात कही। अपने भाइयों एवं बहनों को अपने साथ रखो तभी परिवार और फिर समाज मजबूत होगा। सभा को सम्बोधित करते हुए महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मनीषा सिंह ने महिलाओं को आह्वान करते हुए कहा कि जहां कहीं भी अन्याय हो आवाज उठाई जानी चाहिए।हमे अपना कर्म करना चाहिए और फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने महिला को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि समाज की हर महिला सदस्य को शिक्षित होना चाहिए।उन्होंने आरक्षण को जातिगत न देकर आर्थिक आधार पर करने पर बल दी। सभा को सम्बोधित करते हुए बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष दामोदर सिंह ने कहा कि राजपूत समाज के हर सदस्य का चरित्र अच्छा होना चाहिए।चरित्र अच्छा रहने से ही आप एक अच्छा समाज सेवी बन सकते हैं।समाज के लोगों के बीच एक स्थान बना सकते हैं। संगठन के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि आपको जो पड़ मिला है वह एक दायित्व मिला है। उसे निभाने के लिए आपको समाज के बीच रहना होगा। संगठन में समर्पित होकर समय देना होगा। उन्होंने कहा कि देश के लिए सर कटाने की शक्ति सिर्फ क्षत्रिय समाज के पास होता है।

सभा को सम्बोधित करते हुए युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डिम्पल राणा ने क्षत्रिय समाज में भी जो लोग गरीब हैं उन्हें आरक्षण दिए जाने की मांग की।उन्होंने समाज के सभी लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि अपने काम को करते हुए समाज के लिए भी समय निकालिये और इस समाज को मजबूत करने में अपनी भूमिका को निभाइये।इस समाज के बैनर तले समाजिक कार्यों को करें।

महिला विंग की दिल्ली प्रदेश अध्यक्षा गीता सिंह चौहान ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। जब तक आप संगठित नहीं आप अपनी समाज के लिए कुछ नही कर पाएंगे। उन्होंने समय पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

सभा को बिनय कुमार सिंह,बी. के सिंह, अभिषेक सिंह,मनोज सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ललन सिंह एवम धन्यवाद सूरजदेव सिंह ने किया।सम्मेलन में राजीव सिंह, दिवाकर सिंग,मनोज सिंह, पृथ्वी नाथ शाहदेव, सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

सूरज शाहदेव बने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश प्रवक्ता

रांची: अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का पुनर्गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। सूरज नाथ शाहदेव को प्रदेश प्रवक्ता बनाये जाने पर प्रदेश अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह,पूर्व विधायक एवं महासभा के संरक्षक कमलेश सिंह,ललन सिंह,सूरजदेव सिंह, मनीषा सिंह, आदर्श कुमार सिंह,राजीव रंजन सिंह, दिवाकर सिंह, ऋषि सिंह राणा ने बधाई दी।

श्री शाहदेव ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने जो विश्वास मुझपर व्यक्त किया है उसपर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा।

कल से पर्यटको के लिए बंद हो जायेगा बेतला नेशनल पार्क

लातेहार: जिले में स्थित बेतला नेशनल पार्क कल 1 जुलाई से बंद हो जायेगा। कल से 3 महीने तक बेतला नेशनल पार्क में पर्यटकों के आवागमन पर पाबंदी रहेगी। 30 सितंबर के बाद वापस पार्क पर्यटकों के लिए खोला जायेगा। पीटीआर प्रबंधन ने इस संबंध में निर्देश जारी किया है।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

बेवजह का विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक- एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर- तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़. घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़. की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निमार्ताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए समाजवादी' धर्मनिरपेक्ष' और अखंड़ता' शब्द जोड़े. थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े.गए शब्द उथल- पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़.की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े.गए समाजवादी' और धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेड़कर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की मूल भावना' को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब हैं? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़.सकते हैं।

असुरक्षित आधी आबादी

कोलकाता के विधि महाविद्यालय प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित रूप से वरिष्ठ छात्रों द्वारा दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिण कोलकाता के इस परिसर में वह परीक्षा संबंधी प्रवेशपत्र भरने गई थी। मेड़िकल जांच में सामूहिक रेप की पुष्टि होने के साथ ही एक सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार उसे जबरन यूनियन रूम में रोका गया और पूर्व छात्र व आपराधिक मामलों के वकील ने रेप किया। दो अन्य छात्रों ने घटना का वीड़ियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया दोषी के विवाह प्रस्ताव को वह पूर्व में ठुकरा चुकी थी। अभियुक्तों का संबंध तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद से बताया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दबदबा है। मुख्य आरोपी मनोजित के खिलाफ पहले भी कई विवाद सामने आने के बावजूद उसे कॉलेज में अस्थाई नौकरी मिलने के पीछे राजनीतिक संरक्षण बताया जा रहा है। भाजपा घटना पर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है जबकि उसे बीएचयू की वह घटना याद रखनी चाहिए जिसमें तमाम दबाव के बाद आरोपियों को पकड़ा गया था। तब सत्ताधारी दल ने किस राजनेता पर कार्रवाई की थी। यह खौफनाक है। विभिन्न घटनाओं के आधार पर कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि देश के शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए अति असुरक्षित हैं। तमाम नियमों व कानूनी पाबंदियों के बावजूद सामने आने वाली ये घटनाएं चुनिंदा हैं क्योंकि छात्राएं घबरा जाती हैं क्योंकि उनके शिक्षा ग्रहण करने में अड़ंगे लगने लगते हैं। सवाल छात्राओं का ही नहीं है महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सरकारी व प्रशासनिक ढुस्लमुल रवैया बदल क्यों नहीं रहा। महिलाओं के प्रति अपराध थामने के लिए किए जाने वाले प्रचार, आयोग व दीवारों पर लिखे स्लोगन काफी नहीं कहे जा सकते। राजनीति को शिक्षा से दूर रखने की बात दशकों से होती रही है। उस पर राजनेताओं के अनर्गल बयानों से पीड़िता व उसके परिवार-परिचितों को होने वाले मानसिक कष्ट की भरपाई कैसे हो सकती है। कोलकाता के मेड़ीकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के जघन्य रेप/हत्या के जख्म अभी ज्यों के त्यों हैं। ममता बनर्जी को राजनीति को हाशिए में ढकेलते हुए भावपूर्ण स्त्री के तौर पर कड़े.कदम उठाने से चूकना नहीं चाहिए।

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

> इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते हैं। किन्तु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत के द्वारा परमाणु हथियारों को उन्नत किया जाना भी जरूरी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है। अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंत्रण समझौतों को छोड़ने की प्रवृत्ति दिख रही है। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या, नए हथियारों का विकास और हथियार नियंत्रण की कमी एक नई हथियार दौड़ को जन्म दे रही है।

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निःसंदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है। इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढकर 35.39 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचाने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। ऐसे में अब भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना होगा। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढकर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास व रोजगार के लिए एक कारगर हथियार बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंता कम कर सकते हैं। देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लॉजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। अब भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। भारत द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। निश्चित रूप से इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते हैं। किन्तु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत के द्वारा परमाणु हथियारों को उन्नत किया जाना भी जरूरी है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है।

अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंत्रण समझौतों को छोड़ने की प्रवृत्ति दिख रही है। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या, नए हथियारों का विकास और हथियार नियंत्रण की कमी एक नई हथियार दौड़ को जन्म दे रही है। दुनिया के नौ

नर्मदा बचाओ आंदोलन के 40 बरस

> पाटकर बड़े बांधों की उपयोगिता, उनकी लागत और लाभों पर सवाल उठाती रहती हैं। वह उन लोगों की भयावह स्थिति को उजागर करती हैं जिन्हें मजबूरन अपने पुश्तैनी घर और कृषि भूमि को छोड़ना पड़ा और राज्य के बाहर बंजर जमीन के टुकड़ों पर बसना पड़ा, अपनी पैतृक संपत्ति से बेदखल होने की असीम पीड़ा के बारे में तो बात ही छोड़िए, आदिवासीयों आंखों के अथाह आंसू सब बयान कर है।

अभिलाष खांडेकर

एक तरफ जहां शक्तिशाली और परमाणु बम संपन्न देशों के बीच अपने अधिकारों के लिए तनाव और संघर्ष वैश्विक पटल पर छाया हुआ है, वहीं भारत के कुछ हिस्सों में गरीब आदिवासी और किसान बुनियादी आजीविका के अधिकारों के लिए अपार कष्ट झेल रहे हैं, जो बड़ी विकास परियोजनाओं का नतीजा है। स्वतंत्र भारत में न्याय के लिए सबसे प्रभावी जनसंघर्षों में से एक नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) ने गुजरात की सरदार सरोवर बांध परियोजना (एसएसपी) के खिलाफ चली आ रही अपनी लंबी और अनवरत व शांतिपूर्ण लड़ाई के सफल 40 साल पूरे कर लिए हैं। सरदार सरोवर बांध परियोजना सबसे बडी और विवादास्पद परियोजना रही है, जिसने 2.50 लाख से अधिक लोगों को बेघर कर दिया और विशाल सिंचित भूमि को मध्य प्रदेश में नुकसान पहुंचाया है। हां, गुजरात को काफी हद तक लाभ मिला। अस्थिरता से भरे इन चार दशकों के दौरान, 'एनबीए' आंदोलन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मुख्य रूप से मेधा पाटकर के नेतृत्व में, 'एनबीए' ने सबसे पहले बड़े बांधों के निर्माण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी, और फिर परियोजना से विस्थापित हुए हजारों लोगों के कानूनी अधिकारों के लिए जंग अब भी जारी है। आंदोलन ने कई हजार परिवारों को पुनर्स्थापित भी किया। अपने संघर्ष के पहले 25 वर्षों में मेधा को पर्याप्त सामाजिक और राजनीतिक समर्थन हासिल हुआ था, लेकिन अंततः वे खुद को आज अकेला पाती हैं क्यों की समस्याओं का पूरा समाधान नहीं हुआ है। जाहिर है इस वजह से मेधा के अंदर शायद तंत्र के प्रति कड़वाहट भर गई है, हालांकि वह इसे अपने चेहरे पर कभी नहीं दिखाती। अथक परिश्रमी सामाजिक कार्यकर्ता मेधा अभी भी नर्मदा घाटी में रहने वाले सीमांत किसानों, गरीबों और अशिक्षित आदिवासियों के लिए संघर्षरत है जो बेहद सराहनीय है। उनकी जिजीविषा को सलाम। अनेक न्यायालयीन मामले, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय, उनका उलंघन, सैकड़ों धरने, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच अधिकारों की लड़ाई, विश्व बैंक का प्रवेश और निर्गम मोर्स की रिपोर्ट, केंद्रीय तथ्य अन्वेषण समिति की रिपोर्ट (डूबती घाटी : सभ्यता का विनाश), परियोजना की स्वतंत्र समीक्षाएं, समय-समय पर लेखा नियंत्रक के प्रतिकूल निष्कर्ष, बांध की ऊंचाई पर विवाद और उसके कारण डूब क्षेत्र की भूमि में वृद्धि, परियोजना की लगातार बढ़ती लागत, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की पर्यावरणीय अपरिमित क्षति, परिवारों के पुनर्वास की पीड़ा, निर्माण कार्यो में भयानक भ्रष्टाचार, नहरों का विलंबित और दोषपूर्ण कार्य, कच्छ क्षेत्र में सिंचाई के लिए घोषित उपयोग के बजाय नर्मदा के पानी को गुजरात के कोका कोला संयंत्र और अन्य उद्योगों को दिया जाना, नौकरशाही का अन्याय, बुद्धिजीवियों की उदासीनता, मेधा के सहयोगियों और नेताओं द्वारा धीमी-धीमी उपेक्षा - ये सब इन चालीस अशांत वर्षों में घटित हुआ। महत्वपूर्ण बात है कि एक समय ऐसा भी था जब अधिकतर पर्यावरणविद, मानवाधिकार कार्यकर्ता, तटस्थ विचारक और लेखक जैसे दुर्गा भागवत, नाना पाटेकर, स्वामी अग्निवेश, अनुपम मिश्र, बाबा आमटे (वे अपनी पत्नी साधना ताई के साथ एक दशक से अधिक समय तक बड़वानी में रहे), प्रोफेसर राज काचरू, भाजपा नेता सत्य नारायण जटिया जैसे लोगों ने 'एनबीए' का समर्थन किया था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कतिपय कारणों से यह समर्थन कम होता गया - मुख्य रूप से भाजपा सरकारों के अड़ियल रुख के कारण। वर्ष 2017 में, चौतरफा विरोध और वंचित वर्ग के लोगों और परिवारों के अपूर्ण, दोषपूर्ण पुनर्वास के बावजूद, अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर बडे बांध (उँचाई 138 मीटर) का उद्घाटन कर दिया. कई दशक पहले गुजरात के सूखे से जूझ रहे हिस्से को लाभ पहुंचाने के लिए इस बांध का सपना देखा गया था उस समय ऊंचाई 90 मीटर से ऊपर नही थी। इस बांध का काम 1987 में शुरू हुआ था (मूल लागत 6406 करोड़; अंतिम लागत करीब 80,000 करोड़)। बांध की योजना के अनुसार मध्य प्रदेश की पवित्र नदी के पानी से गुजरात की सिंचाई होगी और बिजली मिलेगी। इससे मप्र को कम लाभ था, महाराष्ट्र को तो और भी कम। बांध के उद्घाटन के बाद ऐसा प्रतीत हुआ कि नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) अप्रासंगिक हो गया है और इसकी भूमिका समाप्त हो गई है। लेकिन नहीं। पिछले कई माह से पर्यावरणवादी मेधा ने घाटी के प्रभावित किसानों के साथ मिलकर अपनी मांगों को फिर से उठाया है और इस तथ्य को दोहराया कि मध्य प्रदेश में हजारों परिवार अभी भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उच्च न्यायालय के उनके पक्ष में फैसले के बावजूद उनकी जायज शिकायतों को सरकारी अधिकारियों ने लगातार अनदेखा कर दिया। मेधा का कहना है कि अब नर्मदा नदी को ही बचाने का समय आ गया है क्योंकि इसका पानी प्रदूषित हो रहा है और पीने योग्य नहीं रह गया है। पाटकर बड़े बांधों की उपयोगिता, उनकी लागत और लाभों पर सवाल उठाती रहती हैं। वह उन लोगों की भयावह स्थिति को उजागर करती हैं जिन्हें मजबूरन अपने पुश्तैनी घर और कृषि भूमि को छोड़ना पड़ा और राज्य के बाहर बंजर जमीन के टुकड़ों पर बसना पड़ा, अपनी पैतृक संपत्ति से बेदखल होने की असीम पीड़ा के बारे में तो बात ही छोड़िए, आदिवासीयों आंखों के अथाह आंसू सब बयान कर है। चालीस वर्ष बाद, 'एनबीए' भले ही उतना मजबूत संगठन न बचा हो , मेधा का जज्बा अदम्य है. वह आदिवासियों और कमजोर वर्ग के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपनी आवाज दमदारी से उठा रही है। यह सब भी ऐसे कठिन समय में जब विरोध करना पाप-सा है, कुछ कम नहीं है।

ऋद्धि- सिद्धियां

चिंतन-मनन

श्रीराम शर्मा आचार्य

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतर कर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। हर उपलब्धि के लिए मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्वपूर्ण,सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं- किन्हीं महापुरुषों को देख-सुन कर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरुषार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय विनय नहीं करना पड़ता है। सच है कि अध्यात्म का साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचंड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है। जिसे लोक- व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे- पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है। उसे पकड़ने का प्रयत्न करने पर भी वे पकड़ में नहीं आतीं। इसी प्रकार दिव्यता की ओर श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात त्रद्धि- सिद्धियां साधक के पीछे- पीछे चलने लगती हैं। इसके विपरीत उन्हीं की प्राप्ति को लक्ष्म बना कर चलने पर तो आत्म विकास की साधना से वंचित बने रहने से वे पकड़ में नहीं आतीं।

आपके पत्र

नाश का दूसरा नाम है नशा

26 जून 1987 को दुनिया में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध रूप से इनकी तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इस दिवस को मनाने का एक उद्देश्य यह भी है कि लोग नशे से होने वाले नुकसानों को समझें। 1987 से लेकर अब तक यह अभियान कितना अमल में लाया या दुनिया के विभिन्न देशों में यह कितना कामयाब हुआ, विविध सरकारें इसके लिए कितनी गंभीर हैं, यह बातें उतनी अहमियत नहीं रखती, जितना कि यह, कि दुनिया का आमजन नशे के दुष्प्रभावों को कितना समझ पाया है?

सरकारों के अभियान तभी कामयाब होते हैं, जब लोग इनमें भागीदारी सुनिश्चित करना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। नशीली दवाओं का सेवन लोगों की जान का दुश्मन बन गया है। नशा, नाश का दूसरा नाम है।

पीके राय,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली करेंट से अधेड़ ग्रामीण की मौत

पाटन : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के कारिहार गांव निवासी 50 वर्षीय बीरेंद्र सिंह की बिजली करंट लगने से शनिवार की देर शाम में मौत हो गई। शनिवार को देर शाम में बीरेंद्र सिंह अपने मुर्गी फॉर्म्स में बिजली कनेक्शन कर रहे थे। पाटन के थाना प्रभारी शशिशेखर पांडेय ने बताया है कि बिजली करेंट से मौत की सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची थी। मृतक के परिवारजनों एवं मुखिया ने पोस्टमॉर्टम नहीं कराने का आवेदन दिया। इसके बाद लिखित पंचनामा के उपरांत मृतक का शव परिवारजनों को अंतिम संस्कार के लिए दे दिया गया। मृतक की पत्नी मीना देवी भी पति को बचाने में घायल हो गई है। मेदिनीनगर के मेडिकल कालेज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।ĸ

सामाजिक विवाद के कुल सात मामलों का हुआ निपटारा

दुमका : महिला थाना दुमका में रविवार को थाना प्रभारी अनुपम सोरेंग की अध्यक्षता में महिला कोषांग की बैठक आयोजित की गई. आयोजित बैठक में काउंसलिंग के माध्यम से सामाजिक विवाद के कुल सात मामलों का निपटारा किया गया. मौके पर महिला कोषांग के सदस्य क्रमशः अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दुमका सदर विजय कुमार महतो, अधिवक्ता किरण तिवारी, अधिवक्ता कुमार प्रभात, अधिवक्ता वीणा सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ. बबीता कुमारी अग्रवाल, शिक्षिका मेरी नीला मरांडी, मनोज कुमार घोष एवं दोनों पक्ष के लोग एवं उनके रिश्तेदार गण मौजूद थे.

झामुमो जिला अध्यक्ष ने शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने को लेकर की पूजा- अर्चना

दुमका : दुमका झामुमो के जिला अध्यक्ष शिवा बास्की के नेतृत्व में रविवार को शहर के दिशोम मांझी थान और दिशोम जाहेर थान में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। दिशोम जोग मांझी बाबा मोहन टुडु ने मांझी थान और दिशोम जाहेर थान में पानी डालते हुए कहा कि मरांग बुरू की कृपा से गुरुजी जल्द स्वास्थ होंगे। मरांग बुरू हमारी सामूहिक प्रार्थना जरूर सुनेंगे।

बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की सेहत को लेकर झारखंड समेत देशभर में प्रार्थना की जा रही है। 81 वर्षीय दिशोम गुरु कई दिनों से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं, जहां न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टर उनका उपचार कर रहे हैं। उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। किडनी की गंभीर समस्या और ब्रेन स्ट्रोक के कारण वह वरीय चिकित्सकों की लगातार निगरानी में हैं।

मौके पर दिशोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू, बी. डी किस्कू, दिलीप बेसरा, सुरेशचंद्र सोरेन, निलेश हांसदा, दीपक हेंब्रम, राजीव बास्की, अमर मरांडी, निखिल मुर्मू, ऐन मरांडी, टेकलाल मरांडी, प्रेम हांसदा, सीमांत हांसदा, सुशील मरांडी, लवकिशोर टुडू, संदीप मुर्मू, ईमेल मरांडी, लाइंदु मुर्मू, साहेबराम किस्कू आदि मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा अर्चना

देवघर : सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत का रविवार को देवघर एयरपोर्ट पर आगमन हुआ, जिसके पश्चात त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह, झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण मिश्र, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा एवं पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग ने बुके देकर उनका स्वागत किया।

इसके पाश्चत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व तिर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गयी।

इसके अलावा पूजा अर्चना पश्चात मौके पर उपस्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र व बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद प्रदान किया।मौके पर रजिस्टर जनरल झारखंड उच्च न्यायालय मनोज प्रसाद, जिला सत्र न्यायाधीश, अनुमंडल पदाधिकारी सह बाबा मंदिर प्रभारी एवं संबंधित अधिकारी, दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

बिजली करेंट से अधेड़ ग्रामीण की मौत

पाटन : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के कारिहार गांव निवासी 50 वर्षीय बीरेंद्र सिंह की बिजली करंट लगने से शनिवार की देर शाम में मौत हो गई। शनिवार को देर शाम में बीरेंद्र सिंह अपने मुर्गी फॉर्म्स में बिजली कनेक्शन कर रहे थे। पाटन के थाना प्रभारी शशिशेखर पांडेय ने बताया है कि बिजली करेंट से मौत की सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची थी। मृतक के परिवारजनों एवं मुखिया ने पोस्टमॉर्टम नहीं कराने का आवेदन दिया। इसके बाद लिखित पंचनामा के उपरांत मृतक का शव परिवारजनों को अंतिम संस्कार के लिए दे दिया गया।

गढ़वा जंगली हाथियों का आतंक दो लोगों को कुचलकर मारा

संवाददाता

गढ़वा: जिला में एक बार फिर जंगली हाथियों के झुंड ने आतंक मचाया है. इस झुंड ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला है. इस घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है. वहीं ग्रामीणों का वन विभाग के प्रति काफी आक्रोश देखा जा रहा है. मृतकों के शव को लेने के लिए पुलिस और वन विभाग को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा.

चिनियां थाना क्षेत्र के चिरका गांव में रविवार रात एक बार फिर जंगली हाथियों का कहर गांव पर टूटा. देर रात हाथियों ने दो ग्रामीणों को बेरहमी से कुचलकर मार डाला है. मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (उम्र 40 वर्ष) और सुधीर सोरेंग (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रमिला देवी घर से कुछ ही दूरी पर अपने प्रवासी पति से मोबाइल पर बात कर रही थीं तभी अचानक एक जंगली हाथी वहां आ धमका. प्रमिला देवी जान बचाकर भागने की कोशिश की लेकिन हाथी ने लपककर उसे कुचल दिया. जहां उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. वहीं, पास के ही घर में सो रहे सुधीर सोरेंग को जब लगा कि कोई उसके कटहल के पेड़ को नुकसान पहुंचा रहा है. वह बाहर निकले, जहां हाथी ने उस पर भी हमला कर दिया और कुचलकर मार डाला. इस भयावह घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है.

सुबह होते ही आक्रोशित ग्रामीण शवों के पास जुट गए और वन विभाग की घोर लापरवाही के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया. सुबह 9 बजे तक भी वन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे आक्रोश और भी भड़क उठा. ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक वरीय वन अधिकारी मौके पर नहीं आते, तब तक शवों को उठाने नहीं देंगे. हालांकि चिनियां थाना प्रभारी अमित कुमार अहले सुबह ही अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच चुके थे व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया. इस घटना को लेकर रेंजर गोपाल चंद्रा ने कहा कि यह जानवर छत्तीसगढ़ से आया है इसी के द्वारा क्षति पहुंचाई गई है. वरीय पदाधिकारी को हमलोग लिखें है बहुत जल्द विभाग के आदेश के बाद मुआवजा की प्रक्रिया की जाएगी.

बता दें कि चिरका गांव में पिछले 6 महीनों में जंगली हाथियों द्वारा कुचलकर 5 लोगों की जान ली जा चुकी है. इसके बावजूद वन विभाग की ओर से किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गयी है. पिछली घटनाओं के बाद भी जब ग्रामीणों ने चिनियां थाना चौक पहुंचकर गढ़वा-चिनिया मुख्य पथ को जाम कर बन कार्यालय का घेराव करते हुए विरोध दर्ज कराया था तब भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे रहा है.

मोहर्रम पर्व को पर्व जैसे मनाई और नशा मुक्ति रखना है : थाना प्रभारी

संवाददाता

साहिबगंज : जीरवाबाड़ी थाना कार्यालय में थाना अंतर्गत होने वाले आगामी मोहर्रम जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना प्रभारी शशि सिंह की अगवाई में शांति समिति की बैठक की गई। मुहर्रम त्यौहार के दौरान क्षेत्र की शांति व्यवस्था बरकरार बनाए रखने हेतु शांति समिति की बैठक की गई।

इस संबंध थाना प्रभारी के द्वारा सभी आऐ जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष सचिव को साफ शब्दों में कहा गया कि मोहर्रम पर्व को पर्व जैसे मनाई और नशा मुक्ति रखना है। जबकि किसी प्रकार की घटना एवं किसी धर्म को आहत पहुंचाने की कोशिश ना करगे। किसी प्रकार की घटना हो तुरंत पुलिस प्रशासन से संपर्क करेंगे। हमारी पुलिस हर मोर्चे पर तैनात रहेगी किसी प्रकार की घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा और उसके साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मोहर्रम पर्व शांति पूर्ण करना है।जिस कमेटी में कोई भी गलती करता है। तो उसे कमेटी पर कानूनी कार्रवाई की जएगी। इस बैठक में जिरवाबाडी थाना प्रभारी शशि सिंह सहीत पलिसकर्मी और आए मोहर्रम कमेटी के सचिव अध्यक्ष सदस्य इस बैठक में शामिल हुए।

श्री राम कथा से संस्कृति और धर्म से जुड़ने का अवसर मिला : संत कुमार

संवाददाता

साहिबगंजः तीनपहाड़ क्षेत्र के लालवन में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन 22 जुन को कलश यात्रा निकाल कर प्रारंभ हुई थी।प्रत्येक दिन संध्या शाम को कथावाचक पुज्य संत धनंजयाचार्य वैष्णव जी के द्वारा संगीत व प्रवचन के माध्यम से लोगंई मुरली काजीगांव खुटहरी गांव के मातों बहनों एवं भक्तों को भगवान श्रीराम जी के जीवन आदर्श त्याग एवं मयार्दा कि कथा सुनाई कथावाचक पुज्य संत धनंजयाचार्य वैष्णव जी ने सशक्त और प्रेरणादायक व्याख्यानों के माध्यम से श्री राम कथा के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने

से कहा कि नवपीढ़ी को श्री राम कथा महोत्सव के माध्यम से भारतीय संस्कृति और धर्म की गहराई से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।और इस महोत्सव के माध्यम से पोकेट हनुमान चालीसा पुस्तिका वितरण करने का भी मौका मिलता है। ताकि चालीसा रखने मात्र से सभी संकटों को दूर करता है।और पाठ करने पर सुख समृद्धि कि वृद्धि होती है!हिन्दू धर्म रक्षा मंच के कार्यकर्ता एवं जिला सह प्रभारी पंकज मंडल,जजमान परिवार अमन कुमार संतोष राम, उत्तम कुशवाहा, रीना देवी, रंभा देवी, रघुवर, बंशीधर अरविन्द, अंगद कुमार शामिल थे।

बिहार ले जा रहे दर्जनों लीटर देशी महुआ शराब बरामद

साहिबगंज/मंडरोः मालदा डिवीजन के मिजाचौकी में ट्रेन के माध्यम से झारखण्ड से बिहार ले जा रहे देशी महुआ शराब को आरपीएफ जवान डीके यादव एवं नितिष कुमार ने रविवार को अप साहिबगंज धुलियान मेमो ट्रेन से दो अलग-अलग थैला में रखे दर्जनों लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया है। आरपीएफ जवान डीके यादव ने बताया कि अज्ञात लोगों द्धारा तस्करी के नियत से देशी महुआ शराब को दो थैले में भर कर झारखण्ड से बिहार ले जाने का तैयारी किया जा रहा था।लेकिन गुप्त सुचना के आधार पर शराब को जब्त कर लिया गया हालांकि इस मामले में किसी भी व्यक्ति कि गिरफ्तारी नहीं हुई है। जब्त शराब को कारवाई हेतु साहिबगंज भेज दिया गया है। सुत्रो बताते हैं रात्रि में यह खेल और तेजी बढ जाता है।सबसे आसान तरीका है। ट्रेन माध्यम चोरी छिपे देशी महुआ शराब झारखण्ड से बिहार पहुंचाया जाता है। आरपीएफ जवान रात्रि ट्रेन में बढ़िया से जांच करे तो देशी महुआ शराब के साथ साथ तस्कर भी गिरफ्तार हो सकतीं हैं।

जमीन विवाद में मारपीट मामले में तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर गांव में जमीन के पुराने विवाद को लेकर हुए मारपीट मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है।पीड़ित सोहाग साहा ने राधानगर थाने में दिए अपने आवेदन में बताया है कि बीते शुक्रवार की दोपहर वे अपने परिवार के साथ घर के आंगन में खाना खाकर बैठे थे। तभी गांव के भोला गुप्ता, महेश गुप्ता और कपिल गुप्ता ने लोहे के छड़ और अन्य धारदार हथियारों से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस मारपीट में सोहाग साहा, उनकी पत्नी रीता देवी और पुत्र सूरज साहा गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मारपीट रुकवाई। गंभीर हालत में पीड़ित परिवार राधानगर थाना पहुंचा, जहाँ उनकी स्थिति देखते हुए जख्म प्रतिवेदन जारी कर उन्हें राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद, तीनों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पिछले पांच सालों से जमीन का विवाद चल रहा है। पीड़ित सोहाग साहा ने जानकारी दी कि उनकी पत्नी रीता देवी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज मालदा के एक निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित सोहाग साहा के आवेदन के आधार पर थाना कांड संख्या 245/25 दर्ज कर लिया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धाराएँ 126(2), 115(2), 118, 117(1), 109(1), और 352 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दिशोम गुरु से मिले अविनाश देव

मेदिनीनगर : शहर में स्थित संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में इलाजरत झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन से मुलाकात जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। उन्होंने बताया कि दिशोम गुरु आईसीयू में है। राज्य की जनता उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि राज्य को अभी दिशोम गुरु की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य की स्थापना और विकास खासकर जनजातीय समुदाय को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया है। उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

रामनवमी और मुहर्रम कमेटी को किया सम्मानित

मेदिनीनगर : सामाजिक संगठनों ने चैनपुर के रामनवमी और मुहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों को सम्मानित किया। जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष राज नारायण पटेल, झामुमो के पदाधिकारी दीपू चौरसिया, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष नसीम खान, रवींद्र कुमार, राजीव जायसवाल, नफीस खान, नक्की खान, लाडले खान, राजीव जायसवाल, लाडले हसन खान, मंजूर अहमद, छोटू अंसारी ने सभी को सम्मानित किया। साथ ही सौहार्द को मजबूत बनाए रखने की शपथ ली। मुहर्रम इंतजामिया कमेटी जनरल के चैनपुर अध्यक्ष आमिर अफजल खान, हाजी सनाउल्लाह खलीफा, रामनवमी प्रबंधन कमेटी जनरल के चैनपुर कमेटी अध्यक्ष चंदू प्रसाद गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया।

हजारीबाग में सांसद तीर्थ दर्शन योजना की शुरूआत 180 श्रद्धालुओं का जत्था तीर्थ यात्रा पर रवाना

संवाददाता

हजारीबाग : सांसद मनीष जायसवाल ने ₹सांसद तीर्थ दर्शन योजना₹ की शुरूआत की है. सांसद के निजी प्रयास से इस योजना की शुरूआत की की गई है. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इनका उद्देश्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के उन बुजुर्गों और वंचित लोगों को सम्मान और अवसर प्रदान करना है, जो लंबे समय से तीर्थ यात्रा की कामना कर रहे थे. यह योजना क्षेत्र के पुत्र के रूप में मुझे अपने बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर देगी. संसद का यह भी कहना है कि यह तीर्थ यात्रा तब तक चलेगी, जब तक ऊपर वाले इसकी शक्ति देते रहेंगे.

180 श्रद्धालुओं का जत्था तीन बसों से हुआ रवाना

रविवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के 180 श्रद्धालु तीन वातानुकूलित बसों में सवार होकर

नृसिंह बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर देश के चार प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए रवाना हुए. श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज (संगम) और विंध्याचल के दर्शन कराए जाएंगे. साथ ही श्रद्धालुओं को गंगा और सरयू नदी में स्नान के साथ महाआरती दर्शन करने का अवसर मिलेगा.

हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इस योजना को हर एक पंचायत में ले जाया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा के शक्ति केंद्र के सदस्य तीर्थ यात्रियों का चयन करेंगे. महीने में छह बार चलने वाली यह यात्रा तीन दिन और चार रात की होगी.

लोगों ने सांसद की पहल का स्वागत किया

वहीं सांसद मनीष जायसवाल के इस पहल का क्षेत्र के लोगों ने स्वागत किया है. लोगों का कहना है कि तीर्थ करने का सपना भाजपा सांसद ने पूरा कर दिया है. अयोध्या में प्रभु श्री राम का दर्शन करने की जो इच्छा थी, वह अब पूरा होने वाली है. वहीं कई लोगों ने कहा कि हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने यह साबित कर दिया कि वह पूरे हजारीबाग वासियों को अपना परिवार समझते हैं तभी तो तीर्थ कराने का बीड़ा उठाया है. उन्होंने कहा कि इसके लिए सांसद मनीष जायसवाल धन्यवाद के पात्र हैं.

बता दें कि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल देश के पहले ऐसे सांसद हैं, जो अपने निजी खर्च से लोकसभा क्षेत्र के निवासियों को तीर्थ यात्रा करवाने का बीड़ा उठाया है. निसंदेह उनका यह प्रयास सराहनीय है.

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर ने भारतीय बाजार में 109 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। आमिर खान की सितारे जमीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। यह फिल्म वर्ष 2007 की क्लासिक तारे जमीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल कही जा रही है। आमिर खान ने वर्ष 2022 में प्रदर्शित फिल्म लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। आमिर ने सितारे जमीन पर के जरिए शानदार वापसी की है। हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

फिल्म सितारे जमीन पर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म सितारे जमीन पर ने अपनी दमदार कहानी और इमोशनल टच से दर्शकों का दिल जीत लिया है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म सितारे जमीन पर ने अपने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में सात दिनों में 88.9 करोड़ रुपए की कमाई की थी। फिल्म ने आठवें दिन 6.65 करोड़ रुपए की कमाई की।सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म सितारे जमीन पर ने नवें दिन 13.63 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म सितारे जमीन पर भारतीय बाजार में नौ दिनों में 109 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है।

फिल्म सितारे जमीन पर में 10 नए चेहरों की धमाकेदार लॉन्चिंग हुई है। आमिर खान प्रोडक्शंस प्रस्तुत इस फिल्म में 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हैं। सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं। इस फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन आरएस. प्रसन्ना ने किया है।

हेरा फेरी 3 में हुई बाबू भैया की वापसी

बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता परेश रावल हेरा फेरी 3 में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड की सबसे पसंद की जाने वाली कॉमेडी फिल्मों में से एक हेरा फेरी इन दिनों अपने तीसरे सीक्वल को लेकर सुर्खियों में हैं। हेराफेरी सीरीज में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल अहम भूमिका में नजर आये थे। अक्षय कुमार के साथ अनबन के बाद परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी 3 छोड़ने का फैसला किया था, जिससे प्रशंसकों में निराशा थी।

ऐसा कहा जा रहा था कि फिल्म की तीसरे सीक्वल में राजू और श्याम (अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी) के साथ बाबू भइया यानी परेश रावल नजर नहीं आएंगे। इन खबरों ने फैंस का दिल भी तोड़ दिया था। बताया जा रहा था कि फिल्म हेराफेरी 3 को लेकर परेश रावल और अक्षय कुमार के बीच कुछ खटपट हो गई थी, जो कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गई थी।

परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी से बाहर होकर सभी को हैरान कर दिया था। लोगों ने उनसे बाबू भैया के किरदार में वापसी करने की गुजारिश भी की थी। हालांकि, अब चीजें पटरी पर आती नजर आ रही है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अपना मन बदल लिया है और मेकर्स के साथ सुलह कर ली है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अक्षय कुमार और प्रोडक्शन हाउस के साथ सभी मुद्दों को सुलझा लिया है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल साथ नजर आएंगे।

गौरतलब है कि हेरा फेरी वर्ष 2000 में रिलीज हुई थी, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने लीड रोल निभाया था। इसके बाद इस फिल्म की सीक्वल फिर हेरा फेरी 2006 में रिलीज हुई थी। उम्मीद की जा रही है कि हेरा फेरी 3 भी पहले दोनों पार्ट्स की तरह सुपरहिट होगी।

मां फिल्म में काजोल संग काम कर कांगड़ा की बेटी रोमांचित

कांगड़ाः फिल्म अभिनेता अजय देवगन के निर्देशन में बनी मूवी मां में फिल्म अभिनेत्री काजोल के साथ कांगड़ा की बेटी यानिया भारद्वाज अहम भूमिका में हैं। दो दिन पहले रिलीज हुई मूवी को तगड़ा रिस्पांस मिल रहा है। कांगड़ा जिला के गांव कंडवाड़ी की रहने वाली यानिया की यह तीसरी मूवी है। पहले साउथ की इंद्राणी और दूसरी हिंदी फिल्म छोरी में वह लीड रोल में हैं। वेब सीरीज मेड इन हैवन में भी वह मुख्य भूमिका में रही। यानिया ने मुंबई से दिव्य हिमाचल के साथ विशेष बातचीत में बताया कि मां फिल्म का काली शक्ति गाना काफी हिट हो रहा है।

इस फिल्म की शूटिंग मुंबई और कोलकाता में हुई है। वह हिमाचल प्रदेश में भी शूटिंग को तवज्जो देने की बात करती हैं। यानिया कहती हैं कि यहां के सुंदर पहाड़ और हिमाचल की कहानी कैमरे में कैद हो तो पूरे विश्व में फिल्मों के जरिए हिमाचल की अलग पहचान हो सकती है। काजोल के साथ मूवी में काम करने की खुशी यानिया के लिए एक अनोखा अनुभव है, जो यानिया के दिल को जोश और उमंग से भर देता है। यानिया कहती हैं कि जब कैमरे की रोशनी चमकती है और सेट पर हर कोई अपने किरदार में डूबा होता है, तो वह पल सपनों के सच होने जैसा लगता है।

शेफाली जरीवाला की मौत पर बड़ा खुलासा

एंटी-एजिंग दवाएं व सप्लीमेंट्स बनीं मौत का कारण

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस और कांटा लगा गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली जरीवाला की अचानक मौत ने पूरे मनोरंजन जगत को स्तब्ध कर दिया है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मौत ब्लड प्रेशर के अचानक गिरने और हार्ट अटैक आने से हुई। यह घटना 27 जून की रात हुई, जब शेफाली अपने घर पर सत्यनारायण पूजा के चलते व्रत पर थीं।

डॉक्टरों को है लो बीपी से मौत का संदेहः शेफाली की मौत की जांच में लगे कूपर अस्पताल के डॉक्टरों का मानना है कि उनकी मौत की वजह ब्लड प्रेशर में अचानक आई भारी गिरावट हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, शेफाली ने मौत से कुछ घंटों पहले एंटी-एजिंग इंजेक्शन लिया था, जो वह कई वर्षों से एक डॉक्टर की सलाह पर नियमित रूप से लेती आ रही थीं। इस बार भी पूजा के बाद, जब उन्होंने व्रत तोड़ा और खाना खाया, तो कुछ ही देर में बेहोश होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उस वक्त उनके घर पर पति पराग त्यागी, मां, और कुछ करीबी परिजन मौजूद थे।

दवाओं की जांच में जुटी फॉरेंसिक टीमः फॉरेंसिक टीम ने शेफाली के घर से कई तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें शामिल हैंः

-एंटी-एजिंग वायल्स
-विटामिन सप्लीमेंट्स
-गैस्ट्रिक दवाएं

अब इन दवाओं की लैब में गहन जांच की जा रही है कि क्या इनका कोई साइड इफेक्ट इस हादसे से जुड़ा हो सकता है।

क्या वाकई लो बीपी से हो सकती है मौत? : अक्सर लोग हाई ब्लड प्रेशर को लेकर सतर्क रहते हैं, लेकिन लो ब्लड प्रेशर को गंभीरता से नहीं लेते। नारायणा हेल्थ के एक ब्लॉग के मुताबिक, यदि किसी का बीपी 90/60 ेर्लं से भी नीचे चला जाए और समय पर इलाज न मिले, तो यह ऑर्गन फेलियर, ब्रेन डैमेज या दिल का दौरा जैसी स्थितियां उत्पन्न कर सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकती हैं।

जानकारी के मुताबिक, शेफाली कुछ एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन कर रही थीं, जिनमें हार्मोनल असंतुलन पैदा करने की संभावना होती है। इसके अलावा, व्रत, पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) और भोजन में पोषण की कमी जैसी स्थितियां भी ब्लड प्रेशर को खतरनाक स्तर तक गिरा सकती हैं।

अभिषेक बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 25 साल, पिता अमिताभ ने दी बधाई

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने पुत्र अभिषेक बच्चन को फिल्म इंडस्ट्री में उनके 25 साल पूरे होने पर बधाई दी है। अभिषेक बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित जेपी.दत्ता की फिल्म रिफ्यूजी से की थी। अभिषेक बच्चन को फिल्मों में काम करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन को बधाई दी है।

अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा,ह्यइस वैरायटी को मैं प्रणाम करता हूं, और अपने पुत्र की प्रशंसा करता हूं। जी हां, पिता हूं मैं उसका, और मेरे लिए मेरा पुत्र अभिषेक करने योग्य है। अमिताभ बच्चन ने एक अन्य पोस्ट में अभिषेक के लिये लिखा, एक फिल्म कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है और एक और नई फिल्म की शुरूआत हो गई है। पहले दिन फिल्म किंग की शूटिंग। मेरा आशीर्वाद भय्यू, ढेर सारा प्यार। एक और फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जो जल्द ही आ रही है, मेरी प्रार्थना है।

अभिषेक बच्चन इन दिनों फिल्म कालीधर लापता को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म चार जुलाई को जी 5 पर रिलीज होगी। इसके अलावा अभिषेक, शाहरुख खान अभिनीत किंग में भी नजर आएंगे।

एशिया कप 2025 : एशिया कप भारत में, इस महीने से होगा आगाज

नई दिल्लीः एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू यूएई हो सकता है।

इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच यूएई में खेले गए थे।अभी तक टूर्नामेंट कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल अगले हफ्ते फैसला ले सकती है। एसीसी जुलाई के पहले हफ्ते में टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर सकती है। इस बार भारत को मेजबान देश बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट को न्यूट्रल वेन्यू पर करवाने की बात चल रही है। छह टीमों में खेला जाएगा मुकाबलाः एशिया कप 2025 टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई टीमें हिस्सा लेंगी।

भारत ने आठ बार जीता एशिया कपः एशिया कप की शुरूआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा आठ बार जीता। वहीं, श्रीलंका ने छह और पाकिस्तान ने दो बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। वहीं, अक्तूबर में भारत में होने वाला वूमंस वनडे वर्ल्ड कप हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा रहा है। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक की महिला टीमें लीग में आमने-सामने होंगी।

बर्मिंघम टेस्ट : बुमराह की जगह अर्शदीप को मिल सकता है मौका

एजेंसी/ बर्मिंघमः भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। लीड्स टेस्ट में पांच विकेट से हार के बाद हार का ठीकरा विशेष रूप से गेंदबाजी पर फोड़ा गया था। खासतौर पर चौथी पारी में भारतीय गेंदबाजी की पोल तब खुल गई, जब वो 371 रन के विशाल लक्ष्य को भी डिफेंड नहीं कर पाए। अब खबर है कि बर्मिंघम टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी लाइन-अप में तीन बड़े बदलाव हो सकते हैं। एक रिपोर्ट की मानें, तो जसप्रीत बुमराह दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंग। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन में रखा जा सकता है। बता दें कि अर्शदीप ने अब तक अपना टेस्ट डेब्यू नहीं किया है, लेकिन काउंटी चैंपियनशिप की वजह से इंग्लैंड में खेलने का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं।

अर्शदीप को नेट्स में नई और पुरानी गेंद से भी अभ्यास करते देखा गया है। चूंकि दोनों तरफ स्विंग करवाना अर्शदीप की ताकत है, इसलिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में दूसरे टेस्ट के लिए उनका चयन कोई चौंकाने वाली बात नहीं होगी। इस बीच एक और बड़ा अपडेट सामने आया है कि शार्दुल ठाकुर का भी प्लेइंग इलेवन से पत्ता साफ हो सकता है, जिन्होंने पहले टेस्ट में दोनों पारियों में मिलाकर सिर्फ पांच रन बनाए और केवल दो विकेट लिए थे। उनकी जगह स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है।

प्रसिद्ध कृष्णा फिट नहीं हुए तो आकाशदीप खेलेंगेः खबरों की मानें तो प्रसिद्ध कृष्णा भी हल्की चोट से जूझ रहे हैं, वह अगर समय रहते फिट नहीं हो पाए, तो आकाशदीप भी प्लेइंग इलेवन में चुने जा सकते हैं। पहले टेस्ट में करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों पारियों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। इसके बावजूद माना जा रहा है कि उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर नहीं बैठाया जाएगा। नायर ने दोनों पारियों में 20 रन और सुदर्शन ने सिर्फ 30 रन बनाए थे।

अमरनाथ यात्रा की फुल तैयारी, एनएच-44 पर सीआरपीएफ की बढ़ी निगरानी, के-9 डॉग स्क्वाड तैनात

,7,लीड

जम्मू: जम्मू-कश्मीर में तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा से पहले सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनएच-44 पर निगरानी बढ़ा दी है।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग हजारों तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है। जिस पर सीआरपीएफ ने निगरानी बढ़ा दी है। हजारों तीर्थयात्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख मार्ग जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपने कर्मियों के साथ के-9 (कुत्ते) दस्ते तैनात किए हैं।

उधमपुर सेक्टर जैसे संवेदनशील हिस्सों पर विशेष ध्यान देने के साथ राजमार्ग गश्त की जा रही है। बता दें कि तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जुलाई को शिविर से रवाना किया जाएगा, जबकि यात्रा आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी।

दो जुलाई से भगवती नगर से यात्रा का शुभारंभः बैठक में कमिश्नर रमेश कुमार ने बताया कि दो जुलाई को भगवती नगर आधार शिविर से यात्रा का शुभारंभ होगा। बैठक में पुलिस, धार्मिक संगठनों, टैक्सी यूनियनों, व्यापारियों, बाजार व होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के सुझाव लिए गए। कमिश्नर ने कहा कि अमरनाथ यात्रियों को ठहरने, खानपान में कोई परेशानी न हो, इसके लिए पर्याप्त पेयजल, बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

आधार शिविर में यात्रियों के लिए एसी हॉल, हैंगर, सामुदायिक लंगर सेवा, स्वच्छ मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था है। इसके साथ ही कठुआ के लखनपुर से लेकर रामबन के लांबर, बनिहाल तक यात्रा के मार्ग में आने वाले जिलों के ठहरने के केंद्रों पर भी इसी तरह की सुविधाएं यात्रियों को मिलेंगी।

ऑफलाइन पंजीकरण 1 जुलाई से शुरू होगाः ऑफलाइन पंजीकरण एक जुलाई से शुरू होगा कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन के बाद एक जुलाई से यात्रियों के लिए ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है। भगवती नगर यात्रा आधार शिविर में एक दिन पहले ही यात्री पहुंचेंगे, उसके बाद अगले दिन बालटाल, पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना होंगे।

जम्मू, कठुआ, सांबा, उधमपुर और रामबन जिलों में 52 लंगर और 60 आरएफआईडी केंद्र बनाए गए हैं व जम्मू स्थित सरस्वती धाम में एक टोकन केंद्र बनाया गया है। यात्रा को रेलवे के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी। सड़क मार्ग से ही सभी यात्री जत्थे रवाना होंगे। पवित्र यात्रा से संबंधित जानकारी कंट्रोल रूम से ली जा सकेगी।

रामपुर में फटा बादल, शिमला में पांच मंजिला भवन जमींदोज, शिक्षण संस्थानों में एक दिन की छुट्टी

नई दिल्लीः हिमाचल में बरसात का कहर शुरू हो गया है। सोमवार तडके से ही झमाझम बारिश हो रही है, जिसके चलते कांगड़ा, सोलन, सिरमौर, कुल्लू और मंडी में रेड और ऑरेंज अलर्ट प्रशासन द्वारा जारी किया गया है। शिक्षण संस्थानों में एक दिन की छुट्टी कर दी गई है। सुबह से जारी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। भारी बारिश के चलते शिमला में पांच मंजिला भवन गिर गया है, जबकि रामपुर उपमंडल के अंतर्गत सरपारा पंचायत में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। यहां सिकासेरी गटूला जगह पर काफी नुकसान हुआ है।

बादल फटने से राजेंद्र कुमार पुत्र पलस राम का दो कुटार, एक कमरा, एक किचन सहित अन्य सारा सामान मलबा आने से क्षतिग्रस्त हो गया है। विनोद कुमार का एक खूड एक गाय और गोपाल सिंह का एक खूड और गाय बह गई है। बादल फटने की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है और नुकसान का आकलन करने में जुटी हुई है। प्रशासन की ओर से तहसीलदाल रामपुर ने बताया बादल फटने की सूचना मिलते ही राजस्व टीम को मौके पर भेज दिया है। नुकसान आकलन करके रिपोट तैयार करने के बाद उच्च अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

आसिम मुनीर ने फिर उगला जहर, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समर्थन जारी रखेगा पाक

संवाददाता

एजेंसी/ इस्लामाबादः पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर ने भारत के खिलाफ एक बार फिर जहर उगला है। आसिम मुनीर ने आतंकवाद को संघर्ष बताते हुए उसको समर्थन देने की बात कही। पाक आर्मी चीफ ने कहा कि आतंकवाद के लिए राजनीतिक-कूटनीतिक-मोरल समर्थन जारी रखेंगे। हम कश्मीरी लोगों के अधिकार और लंबे समय से चले आ रहे विवाद के समाधान के लिए उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव और कश्मीर के लोगों की आकांक्षा के अनुसार, भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में वैध संघर्ष है।

दुनिया को यह समझना होगा कि कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित और शांतिपूर्ण समाधान के बिना, क्षेत्रीय शांति सदैव अप्राप्य बनी रहेगी और दक्षिण एशिया में हमेशा खतरा बना रहेगा। मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो जम्मू-कश्मीर में आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उनकी दृढ़ता कभी कम नहीं होगी।

पुरी में भगदड़ पर राहुल-खडगे ने ओडिशा सरकार पर उठाए सवाल, जांच की मांग

नई दिल्लीः ओडिशा के पुरी स्थित श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह हुई भगदड़ की घटना को लेकर कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने इस हादसे को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया। साथ ही पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। बता दें कि इस हादसे में अब तक तीन श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हादसा उस वक्त हुआ, जब सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सुबह करीब चार बजे रथ यात्रा के दर्शन के लिए जुटे थे। वहीं इस हादसे को लेकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी गहरा दुख जताया।

उन्होंने कहा कि यह हादसा प्रशासन की लापरवाही और अव्यवस्था का नतीजा है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। खडगे ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान शुक्रवार को भी 500 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए थे और अब यह हादसा हुआ है। यह साफ दशार्ता है कि प्रशासन की तैयारी पूरी तरह नाकाम रही। साथ ही खडगे ने राज्य सरकार से इस मामले में गंभीर जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राहत कार्य तेज करे प्रदेश सरकारः कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह त्रासदी इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि इस तरह के बड़े आयोजनों के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारी बहुत मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने ओडिशा सरकार से राहत कार्यों को तेज करने की अपील की और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से हरसंभव मदद करने को कहा। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिवार के प्रति गंभीर संवेदतना व्यक्त की। राहुल ने कहा कि मैं मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

एक अरब डॉलर की हल्दी बचेगा भारत, हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय के उद्घाटन पर शाह ने बताया टारगेट

हैदराबादः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र ने 2030 तक एक अरब अमरीकी डॉलर मूल्य के हल्दी निर्यात का लक्ष्य रखा है। निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बोर्ड पैकिंग, ब्रांडिंग, विपणन और हल्दी के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा कि हल्दी बोर्ड किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, उनके उत्पाद के निर्यात के साथ ही अनुसंधान और विकास के लिए कार्य करेगा। शाह ने कहा कि आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि भारत सरकार ने 2030 तक एक अरब अमरीकी डॉलर मूल्य के हल्दी निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। हमने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के (हल्दी) निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तैयारी भी कर ली है। जो (हल्दी) बोर्ड बनेगा, वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि हल्दी का उच्चतम मूल्य किसानों तक पहुंचे। शाह ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में हल्दी बोर्ड स्थापित करने का वादा किया था और इस संबंध में आदेश बाद में जारी किए गए थे। इससे पहले, हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर अमित शाह के पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने रविवार को एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहले हल्दी बोर्ड की स्थापना की घोषणा की थी। अब उन्होंने किसानों के सपने को पूरा किया है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हल्दी की फसल की गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान और किसानों की आय में सुधार के लिए 200 करोड़ रुपए आबंटित किए हैं।

कोलकाता रेप केस : एक नहीं दो आरोपियों ने अपने फोन से बनाया था वीडियो, बोले- ब्लैकमेल करने के लिए किया था ऐसा

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए बहुचर्चित रेप-मर्डर केस को अभी एक साल भी नहीं बीता था कि कोलकाता एक बार फिर एक दर्दनाक और खौफनाक वारदात से दहल उठा है। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज की 24 वर्षीय छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके मोबाइल फोन से अपराध से जुड़ी वीडियो क्लिपिंग और तस्वीरें बरामद की गई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा ने न केवल छात्रा से दुष्कर्म किया, बल्कि उसने खुद अपने मोबाइल फोन से इस शर्मनाक वारदात का वीडियो भी बनाया। साथ ही, एक अन्य आरोपी ने कॉलेज कैंपस के सिक्योरिटी गार्ड रूम की खिड़की से बाहर से इस घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया। पूछताछ में आरोपियों ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने पीड़िता को ब्लैकमेल करने के इरादे से वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड की थीं।घटना की जांच कर रहे अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा मामला सुनियोजित था और इसका उद्देश्य पीड़िता को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना था। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने रविवार को कॉलेज का दौरा किया और मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन और पुलिस द्वारा कई तथ्यों को छिपाने की कोशिश की जा रही है। मजूमदार ने कहा, पुलिस हमारे साथ पूरा सहयोग नहीं कर रही है। पीड़िता का परिवार अत्यधिक दबाव में है और फिलहाल उनका ठिकाना स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मुझे घटनास्थल का वीडियो रिकॉर्ड करने से भी रोक दिया। घटना के विरोध में रविवार शाम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कन्या सुरक्षा मार्च का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने किया। रैली के दौरान भाजपा कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर न्याय की मांग कर रहे थे। घटना ने एक बार फिर राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

महाराष्ट्र के स्कूलों में अब हिंदी अनिवार्य नहीं, सरकार ने तीन भाषा नीति पर दोनों आदेश वापस लिए

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को तीन भाषा नीति से जुड़े अपने दो आदेश (जीआर) रद्द कर दिए। सरकार के इस आदेश के खिलाफ विपक्ष लगातार विरोध कर रहा था। इसके तहत सरकार ने इसी साल अप्रैल में कक्षा पहली से पांचवीं तक तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया था। सीएम देवेंद्र फड़नेवीस और दोनों डिप्टी सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम ने कहा कि तीन भाषा नीति को लेकर शिक्षाविद नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। इसके रिपोर्ट के बाद ही हिंदी की भूमिका पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में थोपे जाने के आरोपों के बीच बढ़ते विरोध के चलते सरकार ने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही सरकार ने इस नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन के लिए एक नई समिति गठित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह निर्णय राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी और उसके क्रियान्वयन के तरीके को लेकर डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी। इस समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही नीति लागू की जाएगी।

सीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक समिति की सिफारिशें नहीं आतीं, तब तक थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी से संबंधित दोनों जीआर रद्द किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए मराठी भाषा ही केंद्रबिंदु है। बता दें कि हाल ही में राज्य सरकार ने एक संशोधित आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। यह फैसला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्राथमिक स्तर पर चरणबद्ध क्रियान्वयन का हिस्सा था। हालांकि आदेश में यह भी उल्लेख था कि अगर किसी कक्षा में कम से कम 20 छात्र हिंदी की जगह कोई अन्य भारतीय भाषा चुनना चाहें, तो स्कूल को उस भाषा के शिक्षक की व्यवस्था करनी होगी या फिर वह विषय ऑनलाइन पढ़ाया जा सकता है। महाराष्ट्र सरकार के इस कदम की विपक्षी पार्टियों ने तीखी आलोचना की। उनका आरोप था कि सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को नजरअंदाज कर हिंदी को बढ़ावा दे रही है, जिससे राज्य की भाषाई विविधता और मराठी अस्मिता को नुकसान हो सकता है। अब सभी की निगाहें उस नई समिति की रिपोर्ट पर होंगी, जो तय करेगी कि महाराष्ट्र में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी किस रूप में और किन शर्तों पर लागू की जाएगी। महाराष्ट्र सरकार ने थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर फिलहाल रोक लगाने का फैसला किया है। ये निर्णण जनता और राजनीतिक दलों की ओर से मिल रहे विरोध के बाद लिया गया है।

टेसला का कीर्तिमानः फैक्ट्री से बिना ड्राइवर के खुद चलकर ग्राहक के घर पहुंच गई कार

नई दिल्लीः ऑटोमोबाइल और टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया गया है। पहली बार एक कार फैक्ट्री से बिना किसी ड्राइवर के खुद चलकर सीधे खरीदार के घर तक पहुंची। यह कारनामा किया है दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने, जिसने अपने संस्थापक के जन्मदिन के मौके पर अपनी फुली ऑटोनॉमस (पूर्ण रूप से स्वचालित) कार की डिलीवरी कर सबको चौंका दिया। टेसला ने इस ऐतिहासिक डिलीवरी का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में टेस्ला की मॉडल इलेक्ट्रिक कार बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सड़कों पर दौड़ती नजर आ रही है। यह कार ट्रैफिक सिग्नल पर खुद रुकती है, किसी वाहन या व्यक्ति के सामने आने पर ब्रेक लगाती है और रास्ता साफ होने पर आगे बढ़ जाती है। कंपनी ने अपनी आधिकारिक पोस्ट में बताया, हमने टेक्सास में फुली सेल्फ-ड्राइविंग मॉडल की पहली सफल डिलीवरी की है। कार बिना किसी ड्राइवर या रिमोट ऑपरेटर के पार्किंग, हाईवे और शहर की व्यस्त सड़कों से होते हुए अपनी मंजिल तक सुरक्षित पहुंची।

सोना-चांदी के मूल्यों में आयी गिरावट

नई दिल्लीः सोना-चांदी खरीदारों के लिए खुशखबरी है। इस हफ्ते दोनों कीमती घातुओं की दाम में गिरावट देखने को मिली है, जिससे सोने की कीमत एक बार फिर से 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.06 लाख रुपए प्रतिकिलो के नीचे आ गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 95,784 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 98,691 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 2,907 रुपए की कमी को दशार्ता है। 22 कैरेट सोने का दाम कम होकर 87,738 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 90,404 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 74,018 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 71,838 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

रूस ने मार गिराया यूक्रेन का एफ-16, पायलट की मौत रातभर 477 आत्मघाती ड्रोन और 60 मिसाइलों से मचाई तबाही

एजेंसी/मास्कोः रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर तबाही बरसाई। एक ही रात में 477 आत्मघाती ड्रोन और 60 मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में यूक्रेन का तीसरा एफ-16 लड़ाकू विमान भी मार गिराया। पायलट की भी मौत हो गई है। यूक्रेनी सेना ने इस हमले को हाल के सप्ताहों का सबसे बड़ा और सबसे भयानक हवाई हमला करार दिया है। हमलों के बाद जेलेंस्की ने अमरीका समेत दुनियाभर के देशों से भावुक अपील भी की है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि पायलट ने आखिरी पल तक दुश्मन से लोहा लिया और विमान को आबादी वाले इलाके से दूर ले जाकर बड़ा नुकसान टालने की कोशिश की, लेकिन खुद को नहीं बचा सका। यूक्रेनी सेना ने 211 ड्रोन और 38 मिसाइलें मार गिराने का दावा किया, लेकिन बाकी हमलों ने कई इलाकों को हिला दिया।

ल्विव, पोल्टावा, मायकोलाइव, निप्रोपेत्रोव्स्क, चेरकासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में धमाके हुए। चेरकासी में बहुमंजिला इमारतों और एक कॉलेज पर हमले में छह लोग घायल हो गए, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। इवानो-फ्रैंकिव्स्क में एक महिला, जबकि मायकोलाइव व निप्रो में औद्योगिक ठिकाने निशाना बने। घरों की खिड़कियां चकनाचूर हो गईं, कई इमारतें जमींदोंज हो गईं और राहतकर्मी पूरी रात बचाव कार्य में जुटे रहे।

जेलेंस्की की भावुक अपील, युद्ध खत्म होना चाहिए : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हमले के बाद एक्स पर भावुक अपील भी की है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए। इसके लिए आक्रामक पर दबाव और हमारे लिए सुरक्षा दोनों जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसी सप्ताह रूस ने 1,270 ड्रोन, 114 मिसाइलें और करीब 1,100 ग्लाइड बम दागे हैं। जेलेंस्की ने अमरीका और उसके सहयोगियों से तुरंत पेट्रोयट मिसाइल सिस्टम भेजने की अपील की और कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेतृत्व की सबसे ज्यादा जरूरत इस समय है। हेग में हुई एक अहम बैठक में उन्होंने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी इस मसले पर सीधी मदद मांगी थी।

यूक्रेन की हवाई सुरक्षा पर संकटः एफ-16 लड़ाकू विमानों को यूक्रेन की रक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जा रहा है, लेकिन अब तक वह तीन विमान युद्ध में खो चुका है। यह साफ नहीं है कि कुल कितने विमान फिलहाल यूक्रेनी वायुसेना के पास हैं। सेना के अनुसार, इस हमले में भेजे गए 225 ड्रोन सिर्फ भ्रम फैलाने के लिए भेजे गए थे, जिनमें विस्फोटक नहीं थे यानी रूस अब भीड़ के बल पर हमला रणनीति अपना रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली करंट के चपेट में आने से युवक की हुई मौत

गुमला : गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित जोराग पीठइर टोली गांव में विद्युत करंट की चपेट में आने से 35 वर्षीय रोशन बघवार की घटना स्थल पर ही हुई दर्दनाक मौत , घटना रविवार की सुबह 10:00 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक युवक अपने घर में खराब बिजली को बना रहा था तभी वह विधुत करंट की चपेट में आ गया , और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई , बाद में परिजनों ने तत्काल उसे इलाज के लिये गुमला सदर अस्पताल ले गयें,जहां डॉक्टर ने जांचों उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया , लोगों ने बताया कि उक्त युवक विवाहित था और उसके दो बेटी व तीन बेटा भी है , घटना के बाद परिजनों का रो रो का बुरा हाल है , बाद में घटना की सूचना पर गुमला सदर थाना पुलिस , गुमला सदर अस्पताल में पहुंचकर उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर और पोस्टमार्टम कराकर उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया हैं।

मानगो उलीडीह में बिजली का पोल गिरा, बिजली सप्लाई प्रभावित

जमशेदपुर : मानगो उलीडीह स्थित खनका रोड में तेज बारिश के बाद एक बिजली का पोल गिर जाने से पूरे इलाके में बिजली के साथ-साथ आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को इसकी जानकारी दी, लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय निवासी भारी बारिश के चलते जलभराव और गीली सड़कों के कारण पहले से परेशान हैं, वहीं अब गिरे हुए बिजली के पोल और बिजली प्रवाहित तारों के कारण किसी बड़ी दुर्घटना का डर लोगों को लगातार सता रहा है।

भाकपा ने भी दी हूल नायकों को श्रद्धांजलि, जिला सचिव ने किया माल्यार्पण

जमशेदपुर : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के द्वारा हूल दिवस मनाया गया। सीपीआई के जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर के द्वारा हूल दिवस के नायक सिदो कानहू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के जल, जंगल और जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश केंद्र सरकार के द्वारा कब्जा रही है। उसे बचाने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रतिबद्ध है। दूसरी ओर, इस अवसर पर शिक्षा के निजीकरण के कारण झारखंड के छात्रों के भविष्य को गढ़ने वाले शिक्षकों का भविष्य आज अंधकारमय है। केंद्र सरकार सिर्फ मुनाफा वसूली में लगी हुई है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी नेता निगमा नंद पाल, राजीव कुमार, मीनाक्षी शर्मा, प्रेमलता के साथ अन्य साथी उपस्थित थे।

पूर्वी सिंहभूम में चौबीस घंटे में 360 मिमी बारिश दर्ज की गई

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश का कहर जारी है। तीन जुलाई तक बारिश और वज्रपात को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जैसे जिले इस अलर्ट के दायरे में हैं।मौसम विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने और गैर-जरूरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में पिछले 24 घंटे में 360 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो कि एक रिकॉर्ड है। जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है। जलभराव, बिजली गुल और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आई हैं।

वासेपुर फायरिंग में फहीम के नाती-भतीजे फरार, जुम्मन गया जेल

धनबाद : वासेपुर के आरा मोड़ रेलवे लाइन के पास 28 जून की रात फायरिंग में वासेपुर के गैंगस्टर फहीम खान के नाती और भतीजे सहित सात लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई। साथ ही पुलिस ने विरोधी गुट के जुम्मन कुरैशी सहित छह लोगों के खिलाफ भी जानलेवा हमले, मारपीट और तोड़फोड़ की प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने कलाम कुरैशी के पुत्र जुम्मन कुरैशी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल जाने से पहले उसने सदर अस्पताल से जेल गेट तक जमकर हंगामा किया। वासेपुर के आरा मोड़ में शनिवार की रात 10 बजे कलाम कुरैशी के घर के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग हुई थी।

फायरिंग में कलाम कुरैशी की पत्नी नासरीन खातून ने बैंक मोड़ थाने में एफआईआर दर्ज कराई। नासरीन ने बताया कि उनके घर के साथ होटल पर भी आरोपियों ने फायरिंग की। फहीम खान के दामाद शानू खान के बेटे तयसी खान और फरान खान उर्फ कैफ ने फायरिंग की। उनके साथ फहीम खान के भतीजे (नामालुम) तथा काला सोनू, आमीरा खान, प्रिंस खान और बोतू थे। आरोपियों ने जान से मारने की भी धमकी दी। पुलिस एफआईआर कर आरोपियों के सत्यापन में जुटी है। सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस फहीम के दामाद से बैंक मोड़ थाने में लगातार पूछताछ कर रही है। शानू से उसके पुत्र के ठिकाने का पता पूछा जा रहा है। प्रिंस खान का आदमी बता की मारपीटः आरा मोड़ निवासी अंदलिप फारुक ने जुम्मन कुरैशी, मांटी कुरैशी, शमशेर नगर निवासी अयान खान उर्फ नानू, नाटू, रहमतगंज निवासी अल्ताफ और आलम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में अंदलिप फारुक ने बताया कि आरोपी खुद को प्रिंस खान का आदमी बताकर लोगों में दहशत कायम करना चाहते हैं। जुम्मन, मांटी और आयन उर्फ नानू दो-तीन दिनों से हर दिन शाम में केजीएन कॉम्पलेक्स के बाहर ठेला वालों से रंगदारी मांग रहे थे। शनिवार की शाम सात बजे तीनों ने अंदलिप के पुत्र फैज और अस्वद के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। जब वे अपने दोनों बेटों को लेकर जुम्मन के घर गए तो वहां जुम्मन, मांटी, नानू, नाटू, अल्ताफ और आलम ने मिलकर उन लोगों से मारपीट की। आरोपियों के हाथों में चापड़, छूरी और हथियार थे। आरोपियों ने धमकी दी कि आज नहीं तो कल तुम्हारे दोनों बेटों को जान से मार देंगे। किसी तरह जान बचाकर हमलोग केजीएम कॉम्पलेक्स के अंदर घुस गए। इसके बाद केजीएन के अंदर और बाहर की दुकानों में आरोपियों ने तोड़फोड़ की और दुकानों को बंद करा दिया। गैंग्स ऑफ वासेपुर की चौथी पीढ़ी की अपराध में इंट्रीः गैंग्स ऑफ वासेपुर की चौथी पीढ़ी ने भी अपराध की दुनिया में दस्तक दे दी। शनिवार की रात फायरिंग में वासेपुर के डॉन फहीम खान के नाती का नाम सामने आया। यह पहला मौका है जब फहीम के नाती के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हुआ है, वह भी संगीन आरोप में। 1980 के दशक में फहीम खान के पिता सफी खान की वासेपुर में तूती बोलती थी। इसके बाद सफी के पुत्र शमीम खान, फहीम खान और नसीम खान के नाम अपराध की दुनिया से जुड़े। फहीम के साथ-साथ उसके चार भांजे गोपी खान, बंटी खान, प्रिंस खान और गोडविन खान ने भी अपराध का दामन थामा। आज फहीम के चारों भांजे पुलिस और कारोबारियों के लिए गले की फांस बन चुके हैं। तीसरी पीढ़ी में फहीम खान के पुत्र इकबाल खान, रज्जन खान और साहेबजादे के नाम अपराध की दुनिया से जुड़े और अब चौथी पीढ़ी के रूप में फहीम की पुत्री के पुत्र पर गोली चलाने का आरोप लगा।

धनबाद सदर अस्पताल में दो दिन में 3 नवजात की मौत, लोग परेशान

संवाददाता

धनबादः जिला सदर अस्पताल की व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार निरीक्षण व निर्देश दे रहे हैं। लेकिन इसी अस्पताल में बुधवार रात से लेकर गुरुवार सुबह के बीच तीन नवजात की मौत होने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

इन तीनों मामलों में प्रसव के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से आई गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन उनके बच्चों की जान नहीं बचाई जा सकी। इसको लेकर परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

दो दिन के भीतर तीन नवजात की मौत

पहला मामला बुधवार रात का है, जब तोपचांची के मुर्शिद आलम की पत्नी तनीशा खातून को गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल लाया गया। परिजनों का कहना है कि प्रसव के बाद नवजात को एनआईसीयू में रखने की जरूरत थी। लेकिन अस्पताल में आवश्यक सुविधा नहीं मिलने के कारण नवजात को मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाने लगा। इसी दौरान नवजात ने दम तोड़ दिया।

दूसरा मामला गुरुवार दोपहर 2 बजे का है, जब निरसा प्रखंड से एक गर्भवती महिला को सदर अस्पताल लाया गया। रास्ते में ही उसका आंशिक प्रसव हो चुका था। नवजात की हालत पहले से ही गंभीर थी। अस्पताल में प्रसव तो कराया गया लेकिन नवजात को नहीं बचाया जा सका। वहीं, मां का इलाज सदर अस्पताल में जारी है।

तीसरी घटना गुरुवार सुबह 9 बजे की है, जब गोविंदपुर के तलत अंसारी की पत्नी शमा परवीन को सदर अस्पताल लाया गया। परिजनों ने बताया कि गोविंदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहले प्रसव कराने की कोशिश की गई थी लेकिन सफल नहीं होने पर उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। यहां पर प्रसव कराया गया, जिसमें नवजात की मौत हो गई।

विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री पर पर लगाया आरोप

इन तीनों नवजात की मौत को लेकर भाजपा धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सदर अस्पताल के स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी पर सिर्फ बड़ी-बड़ी बात करने का आरोप लगाया है। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री मरने के बाद कफन और अस्पताल को बिना पैसा लिए शव परिजन को सौंपने का निर्देश देते हैं। जबकि स्वास्थ्य व्यवस्था कैसे ठीक हो, इसे लेकर कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं।

वहीं, डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि सदर अस्पताल में लाए गए तीनों नवजात की स्थिति गंभीर थी। डॉक्टर से इस बारे में बात हुई थी। सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा को ठीक करने की दिशा में काम हो रहा है। वहीं, ठल्ट निदेशक ने कहा कि सदर अस्पताल में तीन नवजात की मौत मामले की जांच चल रही है।

आर्मी जवान के पार्थिव शरीर को दी गई विदाई

तिरंगे में आर्मी जवान की आर्थिव शरीर को देखकर, पत्नी, पुत्री, पुत्र और परिजनों का रो-रो कर हुआ बुरा हाल

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : 101 इंजीनियर रेजीमेंट में 2009 में आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की नौकरी लगी थी, फिलहाल वह अहमदाबाद में पोस्टेड थे, इसी क्रम में बुधवार के रात्रि में वह अपने मेंस में खाना खाने गए , जहां उन्हें एकाएक हिचकी आया और उल्टी हुई , तो उनके सहयोगियों ने उन्हें इलाज के लिये अस्पताल ले गयें जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया और बताया की हार्ट अटैक से आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की मौत हुई है , बाद में उन्हें अहमदाबाद से उनके पार्थिव शरीर को प्लेन द्वारा रांची लाया गया और बाद में शनिवार को लगभग चार बजे के आसपास आर्मी के जवानों ने अपनी आर्मी गाड़ी से उनके पैतृक गांव गुमला जिला अंतर्गत स्थित नवाडीह गांव लाया गया, बताया जाता हैं की ड्यूटी के दौरान अहमदाबाद में आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी, मृतक आर्मी जवान की पत्नी अनीता लकड़ा , 10 वर्षीय पुत्री सृष्टि लकड़ा, 5 वर्षीय अयास लकड़ा , परिवार और परिजनों ने मृतक झिरगा लकड़ा के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लिपटा देख दहाड़े मार मार कर और उनका रो - रो कर बुरा हाल हैं , जिसे देखकर उपस्थित लोग अपनी आंसू नहीं रोक पायें , गांव वालों और मृतक के साला संजय उरांव ने बताया की आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की अहमदाबाद में हार्टअटैक से हुईं मौत की खबर सुनकर पुरे गांव में मातम का माहौल है और तीन दिन से गांव में किसी के घर में चूल्हा नहीं जला है , क्योंकि मृतक आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की पार्थिव शरीर गांव नहीं आया था , मृतक का साला संजय उरांव ने बताया की हमारे जीजा जी आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की नौकरी , आर्मी 101 इंजीनियर रेजीमेंट बटालियन में सन 2009 में लगी थी और फिलहाल वह अहमदाबाद में पोस्टेड थे, बुधवार के रात्रि वह अपने आर्मी मेंस में खाना खाने गए थे , जहां उन्हें एकाएक हिचकी आई और उल्टी हुई, तो उनके सहयोगी आर्मी जवानों ने उन्हें इलाज के लिये अस्पताल ले गयें , जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया और बताया की उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है, बाद में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उनके पार्थिव शरीर को अहमदाबाद से रांची प्लेन से लाया गया और रांची से आर्मी गाड़ी के द्वारा उनके पैतृक गांव नवाडीह ग्राम लाया गया जहां उनके पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार करते वक्त आर्मी जवान झिरगा लकड़ा के सम्मन में गोलियों की तड़तड़ाहट के बीच, शस्त्र (संगीन) झुकाकर उन्हें सम्मान पूर्वक सलामी दी गई, और उनके पार्थिव शरीर के साथ आए आर्मी जवानों ने मृतक आर्मी जवान झिरगा लकड़ा की पत्नी अनीता लकड़ा, पुत्र सृष्टि लकड़ा , पुत्र अयास लकड़ा एवं परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उन्हें बताया की उक्त आर्मी रेजीमेंट द्वारा उन्हें सभी सुविधा और समस्त लाभ मिलता उन्हें मिलता रहेगा। आर्मी जवान झिरगा लकड़ा के अन्तिम दर्शन के लिए उक्त आसपास के समस्त गांवों और क्षेत्रों से लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी और उनके अंतिम संस्कार के वक्त पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ था ।

लोहरदगा - गुमला और कोरवा के लोगों का रेलवे लाइन का सपना होगा साकार

सर्वे का काम अंतिम चरण में

पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा ने घोषणा की थी , नई रेलवे लाइन लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा छत्तीसगढ़ रेलवे लाइन की सर्वप्रथम उक्त नई रेलवे लाइन का सर्वे छोटानागपुर - झारखंड के आदिवासी नेता (काला हीरा) कार्तिक उरांव ने कराई थी

रेलवे विभाग ने उक्त सर्वे को अनुपयोगी बात कर खारिज कर दिया था

कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा सोनिया गांधी ने भी उक्त नई रेलवे लाइन , लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा (छत्तीसगढ़) बनवाने का दावा कर दिया ₹ वादें हैं वादों का क्या,,??

फिर क्या था, उक्त जुमले का प्रयोग और उपयोग सभी पार्टियों के तथाकथित नेता - अभिनेता , सांसद , विधायक, ने उक्त जुमले वादें की ऐसी की तैसी कर डाली

गुमला - गुमला नई रेल परियोजना का सर्वे अंतिम चरण पर लोहरदगा गुमला भाया कोरबा छत्तीसगढ़ रेलवे लाइन का सपना होगा साकार, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में अम्बिकापुर - बरवाडीह 200 किलोमीटर लागत 9,718 करोड़ , खरसिया - नया रायपुर - परमलकसा नई रेल लाइन 278 किलोमीटर लागत 7,854 करोड़ , रावघाट - जगदलपुर नई रेल लाइन 140 किलोमीटर लागत 3,513 करोड़ , सरदेगा - भालछमाड़ा नई रेलवे लाइन 37।24 किलोमीटर लागत 1,282 करोड़ रुपया और धरमजयगढ़ - पत्थलगांव - लोहरदगा 301 किलोमीटर लागत 16।834 करोड़ रुपया , उक्त रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार हो रहा है , धर्मजयगढ़ - लोहरदगा और अंबिकापुर - बरवाडीह रेल परियोजना के लिए सर्वेक्षण का काम अंतिम चरण में है , ज्ञातव्य हैं की लोहरदगा लोक सभा चुनाव के चुनावी दौरे के दरम्यान एक चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुयें लोहरदगा में पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा ने सर्व प्रथम लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा तक नई रेलवे लाइन की विधिवत घोषणा की गई थी , और छोटानागपुर - झारखंड के काला हीरा - आदिवासी नेता कार्तिक उरांव ने सर्व प्रथम लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा नई रेलवे लाइन का सर्वे कराया था , जिसे रेलवे विभाग ने फायदेमंद नहीं होने का हवाला देते हुए उक्त लोहरदगा गुमला भाया कोरबा नई रेलवे लाइन के उक्त सर्वे को खारिज कर दिया था , परन्तु उक्त लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा (छत्तीसगढ़) बनवाने का दावा एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुयें कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था , फिर तो लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए सभी पार्टियों के सांसद और विधायक द्वारा लोहरदगा - गुमला भाया कोरबा (छत्तीसगढ़) बनवाने का ₹कसमें वादें - खाते रहे₹ और उक्त क्षेत्रों के भोले - भाले आदिवासियों और आम नागरिकों को बुड़बक बनाकर राजनीतिक रोटियां सेंकते रहे ।

टेलर अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे गिरा, चालक गंभीर रूप से घायल

गुमला - गुमला जिला अंतर्गत स्थित रायडीह थाना क्षेत्र के गुमला - रायडीह राष्ट्रीयमार्ग - एन एच 43 के कुलमुंडा पेट्रोल पम्प के पास तीखे मोड़ के समक्ष लोचलोची पुलिया के नीचे एक मालवाहक टेलर अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। घटना शनिवार की संख्या की बताई जा रही हैं , उक्त ट्रक में लोहे का मोटा पाइप लदा हुआ था।चालक केबिन में ही फंस गया था, यह देख स्थानीय लोगों ने रायडीह थाना पुलिस को सूचना दी गई, बाद में रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह अपने दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और ट्रक में फंसे चालक को निकालने में काफी कठिनाई हो रही थी, यह देखते हुए, जिला मुख्यालय गुमला से अविलंब हाइड्रा मंगवाया गया और उक्त बिखरे पाइप को ग्रामीण और थाना के जवानों की मदद से कराह रहे घायल चालक को बाहर निकाला गया और इलाज के लिये गुमला सदर अस्पताल पहुँचाया गया और भर्ती करवाया गया जहां उसका एक पैर फैक्चर हो गया है , उक्त ट्रेलर राँची से गुमला होता हुआ छत्तीसगढ़ जा रहा था। चालक की पहचान उत्तर प्रदेश प्रतापगढ़ जिला के नवादा गांव निवासी राजू हरिजन के रूप में हुई है , चालक ने बताया की सामने से आ रहे कोयला लोड एक तेज रफ्तार ट्रक , साइड नहीं दिया फलस्वरूप मेरा ट्रक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गया।

विधानसभा का घेराव 23 को

धनबाद : हीरापुर के संघ भवन में रविवार को झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की जिला इकाई की बैठक हुई। अध्यक्षता नवीन चंद्र सिंह व संचालन नीलांबर रजवार व अनादि मंडल ने किया। राज्य के प्रदेश महासचिव निरंजन कुमार दे ने कहा कि हेमंत सरकार ने 2019 में घोषणा करते हुए कहा था कि राज्य के 62 हजार पारा शिक्षकों को सरकार बनते ही तीन माह में वेतनमान व समान कार्य का समान वेतन देंगे।

गिरिडीह में जल्द शुरू होगा ओपन कास्ट माइंस से उत्पादन

संवाददाता

गिरिडीहः पिछले ढाई साल से बंद सीसीएल गिरिडीह कोलियरी का ओपन कास्ट माइंस क्षेत्र के खुलने की संभावना फिर से बढ़ गई है। दरअसल, ओपन कास्ट माइंस को सीटीई (कंसेंट टू एस्टेब्लिश) मिल चुकी है। 24 जून को झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी राजीव लोचन बक्शी द्वारा सीटीई निर्गत किया गया है।

सीटीई मिलने के बाद अब सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) के लिए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सीसीएल गिरिडीह कोलियरी प्रबंधन की ओर से अप्लाई किया गया है। सीटीओ निर्गत होते ही ओपेन कास्ट माइंस से कोयला उत्पादन की स्वीकृति मिल जाएगी।

सितंबर से शुरू हो सकता है उत्पादन

इस मामले पर गिरिडीह कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि सीटीओ के लिए आवेदन कर दिया गया है। उम्मीद है कि जल्द जुलाई महीने में ही सीटीओ निर्गत हो जाएगा। इसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और ऐसी संभावना है कि सितंबर अक्तूबर में उत्पादन शुरू हो सकता है।

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

पीओ गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि

निश्चित तौर पर माइंस शुरू होगा तो आउटसोर्सिंग से 10 लाख टन ओबी एवं 7 लाख टन कोयला निकाला जाएगा। आउटसोर्सिंग का जो मैनपावर रहेगा वह 130 के करीब रहेगा। बाकी रोड़ सेल चलेगा जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से सैकड़ों लोग रोजगार से जुड़ेंगे।

मंत्री से लेकर सांसद - विधायक का रहा प्रयास

सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के ओपेनकास्ट माइंस से तकनीकी अड़चन के बाद, जनवरी 2023 से कोयला उत्पादन बंद है। इसे फिर से चालू कराने को लेकर, गिरिडीह विधायक और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के द्वारा प्रयास किए जा रहे थे। इनके प्रयासों से ही जिला स्तर की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। जिसके बाद ओपन कास्ट माइंस को पर्यावरण की मंजूरी मिली।

क्या कहते हैं श्रमिक नेता?

इधर, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ (इंटक) सीसीएल गिरिडीह क्षेत्र के अध्यक्ष सह संयुक्त सलाहकार संचालन समिति सदस्य ऋषिकेश मिश्रा, जो कांग्रेस के प्रदेश सचिव भी है इन्होंने कहा कि सीसीएल के पदाधिकारियों ने काफी प्रयास किया। वही मंत्री सुदिव्य कुमार के साथ साथ विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन का भी विशेष योगदान रहा है।

माइंस बंद होने की वजह से लोग करने लगे थे पलायन

अब सीसीएल यहां से विभागीय उत्पादन करें, ताकि यहां कार्यरत सीसीएल कर्मियों का तबादला दूसरी जगह नहीं हो सकें। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष हरगौरी साहू का इस मामले में कहना हैं कि माइंस बंद होने की वजह से, लोग पलायन करने लगे थे लेकिन अब माइंस के आरम्भ होने की संभावना बढ़ी है तो लोगों ने राहत ली है।

लोगों की

स्थानीय लोगों की जीवन धारा है माइंस

दरअसल, गिरिडीह कोलियरी का ओपन कास्ट माइंस क्षेत्र की बड़ी आबादी इसी पर निर्भर है। माइंस से कोयला उत्पादन होता रहा तो लोगों को रोजगार भी मिलता रहेगा। ट्रकों पर कोयला लोडिंग करने वाले मजदूर, ट्रक मालिक, ड्राइवर, खलासी, लोकल सेल सरदार, दुकानदार - ठेला - खोमचा वाले सभी को आर्थिक लाभ हो रहा था लेकिन लगभग ढाई साल पहले यह माइंस बंद हो गई थी। माइंस बंद होने के बाद यहां बेरोजगारी बढ़ीं जिससे कई लोग दूसरे राज्यों में पलायन कर गए।